RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः162, शुक्रवार , 20 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

फाइलेरिया मुक्त पंचायत बनाने में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण- मंत्री 03

आपराधिक साजिश रच रहे दो युवक गिरफ्तार, लोडेड देशी पिस्टल बरामद 04

गोविंद नामदेव के आरोप पर भड़की शिवांगी वर्मा, बोलीं- सोशल... 07

आ गई 'फ्लाइंग बाइक', ट्रैफिक जाम की झंझट से होगी छुट्टी

हो जाइए तैयार, अब उड़कर घर से पहुंचेंगे ऑफिस!

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑटोमोबाइल की दुनिया में एक नया रोमांच शुरू हो गया है। चीन की कंपनी कुचव्हील ने उड़ने वाली मोटरसाइकिल को पेश किया है, जिसका नाम स्काई राइडर एक्स 6 है। यह मोटरसाइकिल जमीन पर चलने के साथ-साथ हवा में भी उड़ सकती है। इसे 69,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 57 लाख रुपये) की कीमत में लॉन्च किया गया है। इसकी मदद से आप अपने घर से सीधा उड़कर ऑफिस पहुंच सकते हैं।

इसे डुअल-मोड कॉन्फिगरेशन के साथ बनाया गया है, जिसकी मदद से यह जमीन और हवा दोनों जगह पर कार कर सकती है। जमीन पर यह एक रिवर्स ट्राइक की चलती है, जिसमें मिड-माउंटेड रियर-व्हील ड्राइव सिस्टम लगा है। हवा उड़ने के लिए इसमें 6 एक्सीस और 6-रोटर इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम को लगाया गया है। इसमें 10.5 किलोवाट का बैटरी पैक दिया गया है, जिसे डीसी फास्ट चार्जिंग से एक घंटे में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है।

ऑटोमोबाइल की दुनिया में शुरू हो गया है एक नया रोमांच

यह जमीन पर 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है और एक बार चार्ज में 200 किमी तक की दूरी तय कर सकती है। वही हवा में उड़ान के दौरान इसकी स्पीड 72 किमी प्रति घंटे है और यह करीब 20 मिनट तक हवा में रह सकती है। इसको लेकर कंपनी का कहना है कि इससे छोटी दूरी का सफर और आपात स्थिति में बहुत उपयोगी हो सकती है, जैसे ट्रैफिक से बचना या जल्दी कहीं पहुंचना। इसमें कई बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। स्काई राइडर एक्स 6 में ऑटोमेटेड टेकऑफ और लैंडिंग, रूट प्लानिंग, जॉयस्टिक कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं।

इसके साथ ही रिजर्व प्रोपल्शन और कंट्रोल सिस्टम दिया गया है। इसमें अगर एक मोटर फेल हो जाए, तो दूसरा काम करता है। इसमें बैलिस्टिक पैराशूट भी दिया गया है, जो इसमें किसी तरह के खराबी आने पर अपने आप खुल जाता है।

हमारे देश की भाषाओं के बगैर हम भारतीय नहीं

- शाह बोले-देश में अंग्रेजी बोलने वालों को बहुत जल्द आएगी शर्म

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा-ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म आएगी। ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं है।

उन्होंने यह बयान गुरुवार को नई दिल्ली में पूर्व आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की बुक 'मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं' का विमोचन पर दिया। शाह ने हिंदी समेत 'भारतीय भाषाओं के भविष्य' पर कहा, अपने देश, अपनी संस्कृति, अपने इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती। अधूरी विदेशी भाषाओं के जरिए संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। मैं अच्छी तरह जानता हूं यह लड़ाई कितनी कठिन है, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय समाज इसे जीतेगा। एक बार फिर स्वाभिमान के साथ हम अपने देश को अपनी भाषाओं में चलाएंगे और दुनिया का नेतृत्व भी करेंगे। अमृत काल के लिए पीएम मोदी ने पंच प्रण की नींव रखी है। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना, गुलामी के हर निशान से छुटकारा पाना, अपनी विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता के लिए प्रतिबद्ध रहना और हर नागरिक में कर्तव्य की भावना जगाना, ये पांच प्रतिज्ञाएं 130 करोड़ लोगों का संकल्प बन गई हैं। यही कारण है कि 2047 तक हम टॉप पर होंगे और हमारी भाषाएं इस यात्रा में प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

नैनी जेल में बंद अतीक के बेटे की बैरक से मिला पैसा

- डिप्टी जेलर और हेड वार्डर सस्पेंड, डीआईजी ने की जांच

प्रयागराज (एजेंसी)। नैनी सेंट्रल जेल में माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद की बैरक से नकदी बरामद होने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जेल प्रशासन ने डिप्टी जेलर कांति देवी और हेड वार्डर संजय द्विवेदी को सस्पेंड कर दिया है। बताया जा रहा है कि अली अहमद से मिलने आए एक मुलाकाती ने उसे 1100 रुपये दिए थे ताकि वह जेल में उपयोग के लिए कूपन खरीद सके, लेकिन उसने कूपन नहीं खरीदे और पैसे छुपाकर रख लिए। नैनी सेंट्रल जेल में बंद अतीक अहमद के बेटे अली अहमद की बैरक से नकदी बरामद होने के बाद जेल प्रशासन में खलबली मची है। मंगलवार को जेल डीआईजी राजेश श्रीवास्तव की रुटीन चेकिंग के दौरान यह घटना सामने आई।

डीआईजी राजेश श्रीवास्तव ने हाई सिक्योरिटी बैरक की तलाशी ली, जहां अली अहमद बंद है। तलाशी के दौरान बैरक से 1100 रुपये नकद बरामद हुए हैं। जेल अधीक्षक रंग बहादुर के अनुसार, अली अहमद से मिलने आए एक मुलाकाती ने उसे 1100 रुपये दिए थे ताकि वह जेल में उपयोग के लिए कूपन खरीद सके। जेल व्यवस्था के तहत, बंदियों को नकदी रखने की अनुमति नहीं होती और वे केवल कूपन के जरिए ही जरूरी सामान खरीद सकते हैं।

सीएम मोहन यादव ने लाडली बहनों को दिया बड़ा तोहफा

दीवाली से हर महीने मिलेंगे 1500 रुपए, इंदौर से की यह बड़ी घोषणा

इंदौर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को 3000 रुपए प्रति माह देने के अपने वादे को पूरा करेगी। यह योजना पहले 1000 रुपए से शुरू हुई थी, जिसे बाद में 1250 रुपए किया गया। रक्षाबंधन पर 250 रुपए अतिरिक्त दिए गए थे।

अब दीवाली से यह राशि 1500 रुपए प्रति माह हो जाएगी। उन्होंने कहा कि साल 2028 तक इसे 3000 रुपए कर दिया जाएगा। सीएम ने कांग्रेस नेताओं पर भी निशाना साधा और कहा कि बीजेपी सरकार जवाबदेही से काम करती है।

उन्होंने कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी के मामले में कहा कि कानून तोड़ने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। सीएम मोहन यादव ने कहा कि उनकी सरकार लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 3000 रुपए देने के अपने वादे पर कायम है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी जो कहती है, वो करती है। मोहन यादव ने कहा कि सरकार अपने संकल्प पत्र को 5 साल में पूरा करेगी।

15.43 करोड़ की लागत से गंडक नदी पर बनेगा नया पुल

गोपालगंज (एजेंसी)। मांझा प्रखंड की गौसियां पंचायत के सहलादपुर गांव के समीप गंडक नदी पर लगभग 15 करोड़ 43 लाख की लागत से पुल एवं एप्रोच पथ का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए ग्रामीण विकास विभाग-2 के स्तर पर स्थल का सर्वेक्षण कर प्राक्कलन की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। इस पुल व एप्रोच पथ के निर्माण से दियारे के लोगों के लिए आवागमन सुगम हो जाएगा। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत वर्ष 2024-25 के लिए जिला संचालन समिति की ओर से अनुशासित सूची के आधार पर मांझा प्रखंड की गौसियां पंचायत के गौसिया वृति टोला एवं निमुईया तक पुल एवं एप्रोच सड़क निर्माण की विभागीय स्वीकृति मिल गई है। इसके बाद ग्रामीण विकास विभाग-2 इसके प्राक्कलन की तैयारी में लग गया है। गौसियां वृति टोला से निमुईया तक तीन किलोमीटर सड़क बनेगी।

अपराध पर योगी सरकार की है जीरो टॉलरेंस नीति

उत्तर प्रदेश में आठ सालों में 234 अपराधी हुए ढेर

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड कार्रवाई करते हुए एनकाउंटर में 234 दुर्दात अपरधियों को मुठभेड़ में ढेर कर यमलोक पहुंचाया है। इस दौरान पुलिस ने कुल 14,741 मुठभेड़ की कार्रवाइयां कीं, जिनमें 30,293 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर की कार्रवाई में 9,202 अपराधी घायल हुए। वहीं अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गये जबकि 1,700 पुलिसकर्मी घायल हुए। डीजीपी राजीव कृष्णा ने बताया कि प्रदेश में सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में दर्ज की गई, जहां पुलिस ने 4,183 कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 7,871 अपराधी दबोचे गये जबकि 2,839 अपराधियों को घायल हुए। वहीं 77 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मार गिराया गया। मेरठ जोन की मुठभेड़ के दौरान 2,839 अपराधी घायल हुए। इस दौरान 452 पुलिसकर्मी घायल हुए जबकि दो शहीद हो गये।

लालू की मौजूदगी में तेजस्वी ने बताया 'जीत' का प्लान

- राजद से टिकट लेने का फॉर्मूला तय, कहा-गणेश परिक्रमा की जरूरत नहीं

पटना (एजेंसी)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला किया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने आवास के पास फायरिंग का हवाला देते हुए कहा कि कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार आ रहे हैं, उनको बताना चाहिए कि क्या यह जंगल-राज नहीं है। बिहार सरकार में 12 मंत्री राजनीतिक परिवार से, क्या यह परिवारवाद नहीं। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य की नीतिश कुमार सरकार पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि जदयू को भाजपा चला रही। आरएसएस कोटे से मंत्री ही नहीं बनते, अब नई-नई पार्टियां भी बनाई जा रही हैं। इस दौरान राजद से टिकट लेने का फार्मूला भी बताया गया। तेजस्वी ने कहा कि राजद नेताओं को गणेश परिक्रमा करने की जरूरत नहीं। प्रदर्शन के आधार पर टिकट मिलेगा। लालू ने कहा कि कोई चाहे कितनी भी आलोचना करे, लेकिन मुख्यमंत्री पद के एकमात्र दावेदार तेजस्वी यादव ही हैं।

संविधान की वजह से ही तोड़ पाया जाति की बेड़ियां:सीजेआई

- सामाजिक न्याय पर बोले सीजेआई गवई, आर्थिक न्याय पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा है कि समाज के बड़े हिस्से को हाशिए पर रखने वाली असमानताओं पर ध्यान दिए बिना कोई भी देश असल में प्रगतिशील या लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा है कि समाज में स्थिरता, सामंजस्य और सतत विकास करने के लिए सामाजिक-आर्थिक न्याय सबसे अहम है। सीजेआई बुधवार को मिलान में एक कार्यक्रम को संबोधित करने पहुंचे थे। इस दौरान सीजेआई को सामाजिक-आर्थिक न्याय

प्रदान करने में संविधान की भूमिका भारतीय संविधान के 75 वर्षों के प्रतिबिंब'' विषय पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। आमंत्रण के लिए चैंबर ऑफ इंटरनेशनल लॉयर्स को धन्यवाद भी दिया।

सामाजिक-आर्थिक न्याय एक व्यावहारिक आवश्यकता- इस दौरान प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि न्याय महज आदर्श चीज नहीं है और इसे सामाजिक संरचनाओं में जड़ें जमानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''समाज के बड़े हिस्से को हाशिए पर रखने वाली संरचनात्मक असमानताओं पर ध्यान दिए बिना कोई भी राष्ट्र वास्तव में प्रगतिशील या लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता। स्थिरता जरूरी है।

जमीन से 295 फीट नीचे बनी है फोर्डो लैबोरेटरी

- आसान नहीं है ईरान का एटमी प्लांट तबाह करना
- केवल अमेरिकी विमान और बम से हमला मुमकिन

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान और इजराइल के संघर्ष के बीच दुनिया की नजर ईरान के फोर्डो फ्यूल एनरिचमेंट प्लांट पर टिक गई है। यह ईरान की एक पहाड़ी में 295 फीट, यानी लगभग 90

मीटर गहराई में मौजूद है। इसकी बनावट और रणनीतिक लोकेशन ऐसी है कि कोई भी देश इसे हवाई हमले से तबाह नही कर सकता है। फोर्डो के अड्डे तक पहुंचने के लिए पांच सुरंगों को काटकर गहराई में बंकरनुमा सुविधाएं बनाई गई हैं। इसका कंट्रोल परमाणु ऊर्जा संगठन के पास है।, ये नतांज के बाद ईरान का दूसरा यूरेनियम प्यूरिफिकेशन प्लांट है। इजराइल लंबे समय से इस अड्डे को खत्म करना चाहता है।

इसे तबाह करने में सिर्फ अमेरिका के बीएम-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर बंकर-बस्टर बम और बी-2 स्टेल्थ विमान सक्षम हैं, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। इसे तबाह करने के लिए इन बमों को कई बार एक ही जगह पर गिराना होगा। फोर्डो एक पहाड़ के नीचे 80-90 मीटर गहराई में बनी है, जिसे हवाई हमलों से तबाह करना लगभग नामुमकिन है। यह लगभग 54,000 वर्ग फीट में फैली है और इसमें दो संवर्धन हॉल हैं। इसमें लगभग 3,000 एमआई-1 सेंट्रीफ्यूज हैं, जिनमें से 1,044 विकिरण का इस्तेमाल आइसोटोप उत्पादन के लिए किया जाता हैं। 2024 तक, ईरान ने बीएम-6 सेंट्रीफ्यूज की संख्या बढ़ाई है। 2012 में, फोर्डो ने मेडिकल के लिए 20 फीसदी तक कन्वर्टेड यूरेनियम का उत्पादन शुरू किया।

हो गई डील! इजरायल को मान्यता देगा पाकिस्तान

- जनरल मुनीर से मिलकर राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को वॉशिंगटन में वाइट हाउस के अंदर पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि ट्रंप ने जनरल मुनीर से पड़ोसी ईरान और इजरायल के बीच चल रही लड़ाई में मदद मांगी है। बताया जा रहा है कि अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तानी सेना अपना एयरबेस उसे दे दे। इससे पहले पाकिस्तान अपना नूरखान एयरबेस अफगानिस्तान पर हमले के लिए दे चुका है। इस मुलाकात के बाद ट्रंप ने ईरान और इजरायल को लेकर बड़े संकेत दिए हैं। ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तानी नेतृत्व ज्यादातर लोगों की अपेक्षा ईरान को बेहतर तरीके से जानता है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान इजरायल के प्रति भी खराब नहीं है। ट्रंप का बयान पाकिस्तानी नेताओं के बयान से उलट है जो इजरायल को पानी पी-पीकर गालियां दे रहे हैं और ईरान के साथ समर्थन का दावा कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने मुनीर से मुलाकात के बाद कहा, जनरल मुनीर से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

हम दोनों ने ईरान के बारे में बातचीत की है। वे (पाकिस्तानी नेतृत्व) ईरान को बहुत अच्छे से जानते हैं। ज्यादातर लोगों से बेहतर।

ईरान में फंसे 110 भारतीय छात्रों की सकुशल वापसी

दिल्ली पहुंचा विमान, ऑपरेशन सिंधु के तहत हुई कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बाद भारत ने ईरान में फंसे 110 भारतीयों की सुरक्षित वापसी करवाई है। ऑपरेशन सिंधु के तहत इन भारतीय छात्रों को लेकर पहला विमान गुरुवार को आर्मेनिया के येरेवन से नई दिल्ली पहुंचा। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि तेहरान में रहने वाले छात्रों को भारतीय दूतावास के साथ मिलकर सुरक्षित रूप से निकाला गया है। विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान जारी कर कहा, भारतीय दूतावास की मदद से तेहरान में भारतीय छात्रों को शहर से बाहर निकाल लिया गया है। जानकारी के मुताबिक भारतीय छात्र 18 जून को एक विशेष फ्लाइट में येरेवन के ज्वार्टनोट्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुए थे।

संक्षिप्त समाचार

बिजली के खंभे के पास मिला कारपेंटर का शव, करंट से मौत की जताई जा रही आशंका

हाजीपुर। वैशाली के महनार में स्टेशन रोड स्थित संगत मंदिर के पास गुरुवार की सुबह एक कारपेंटर का शव बिजली के खंभे के पास मिला। मृतक की पहचान बलिगांव थाना क्षेत्र के चंपापुर अग्रैल निवासी उमेश शर्मा के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि वह महनार में कारपेंटर का काम करता था। स्थानीय लोगों ने सुबह शव देखा और महनार थाने की पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। उन्होंने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। कागजी कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में स्थानीय लोगों का मानना है कि बारिश के दौरान बिजली के खंभे के पास से गुजरते समय करंट लगने से उमेश की मौत हुई है। हालांकि, मौत के सटीक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दामाद पर चचेरे ससुर और उनके बेटों ने किया हमला, सोने के दौरान गर्दन पर हंसिया रखी

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र के अदलबारी ब्रिजगानी गांव में बड़े भाई के ससुराल आए युवक को उसके चचरे ससुर और उसके परिजनों ने चाकू मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद घायल व्यक्ति को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान पटना जिले के दानापुर क्षेत्र के नर्सरी गंज निवासी रामकृपाल राय के बेटे पप्पू राय (31) के रूप में हुई है। घायल के भाई ने बताया कि वह खाना खाने के बाद सोने चला गया। जिसके बाद उसके चचेरे ससुर और उसके दो बेटों ने सोए अवस्था में उसपर हमला किया। वहीं उसका जब नींद खुला तो उसने इसका विरोध किया तो उसे चाकू मार दिया। वे लोग हमारे संपत्ति आरोपी हड़पना चाहता है। जिसे लेकर उसकी हत्या करने का प्रयास किया गया। बताया कि उसके पेट में चाकू मारा गया है। थानाध्यक्ष रविकांत पाठक ने बताया कि युवक को चाकू मारकर घायल करने के मामले में आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सहरसा-अमृतसर गरीबरथ एक्सप्रेस का रूट बदला, अब नई दिल्ली की जगह दिल्ली स्टेशन पर रुकेगी ट्रेन

हाजीपुर। सहरसा और अमृतसर के बीच चलने वाली गरीबरथ एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12203/12204 के रूट और ठहराव में बदलाव किया गया है। अब यह ट्रेन नई दिल्ली स्टेशन के बजाय दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रुकेगी। यह बदलाव 17 अगस्त 2025 से लागू होगा। 17 अगस्त 2025 से अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 12204 अमृतसर-सहरसा गरीबरथ एक्सप्रेस आर्दश नगर दिल्ली-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद मार्ग के बजाए अब आर्दश नगर दिल्ली-दिल्ली-दिल्ली शाहदरा-साहिबाबाद के रास्ते चलायी जाएगी। यानी यह गाड़ी नई दिल्ली के बजाए दिल्ली स्टेशन पर 10.50/11.05 बजे रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी। 18 अगस्त 2025 से सहरसा से खुलने वाली गाड़ी सं. 12203 सहरसा-अमृतसर गरीबरथ एक्सप्रेस साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-आर्दश नगर दिल्ली मार्ग के बजाए साहिबाबाद-दिल्ली शाहदरा-दिल्ली-आर्दश नगर दिल्ली के रास्ते चलायी जाएगी। यानी यह गाड़ी नई दिल्ली के बजाए दिल्ली स्टेशन पर 13.55/14.10 बजे रुकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह बदलाव भीड़ प्रबंधन और परिचालनिक कारणों से किया गया है। यात्री कृपया यात्रा से पहले समय और स्टेशन की जानकारी रेलवे की वेबसाइट या हेल्पलाइन से अवश्य ले लें।

मुजफ्फरपुर में चलते ई-रिक्शा में आग, जिंदा जली महिला, सीट पर पड़ी मिली बॉडी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के गायघाट इलाके में गुरुवार को चलते ई-रिक्शा में आग लग गई। हादसे में महिला की जिंदा जलकर मौत हो गई। 4 लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं। सभी को इलाज के लिए SKMCH में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि ई-रिक्शा में एक ही परिवार के 7 लोग बैठे थे। सभी शादी में शामिल होने जा रहे थे। मृतक महिला का नाम कमरूल खातून (52) बताया जा रहा है। कमरूल खातुन का इलाज कुछ दिनों से SKMCH में चल रहा था। आज डिस्चार्ज होने के बाद परिवार के साथ घर लौट रही थी। परिवार में आज शादी थी। घायलों की पहचान जेबिका खातून (60), मो. सरफराज (9), सबीना खातून (7), आश्मीन खातून (29) के तौर पर हुई है। सभी 42 प्रतिशत से ज्यादा झुलसे हैं। हादसा मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट थाना के बेरूआ गांव के पास हुआ। मुजफ्फरपुर-दरभंगा NH-27 पर ऑटो में आग लग गई। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तक तक ऑटो पूरी तरह से जल चुका था। महिला का शव ई-रिक्शा की सीट पर ही पड़ा मिला है। पूरा शरीर जल चुका है, सिर्फ ढांचा बचा है।

किराना दुकान से 85 हजार की लूट, हथियार के बल पर 3 अपराधियों ने दुकानदार को बनाया बंधक

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के तुर्की थाना क्षेत्र में हथियार के बल पर किराना दुकान में 85 हजार की लूट हुई है। दुकानदार को बंधक बनाकर तीन अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना तुर्की थाना क्षेत्र की है। पीड़ित दुकानदार अंगद साह ने बताया कि देर रात अपराधी दुकान में घुस गए। हथियार के बल पर बंधक बना लिया। गाली देते हुए पूछा कि पैसा कहां रखा हुआ है। डर के कारण मैंने बता दिया। गल्ला से 85 हजार रुपए लूट लिए। इस दौरान एक स्टाफ से हल्की नोकझोंक हुई, तो अपराधियों ने उसकी पिटाई कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद तीनों दक्षिण दिशा की ओर भाग गए। पहचान छिपाने के लिए एक अपराधी ने हेलमेट लगा रखा था। दूसरे ने मास्क से चेहरा कवर कर रखा था। तीसरे ने पीले रंग के गमछे से चेहरा ढका था। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। तुर्की थानाध्यक्ष राहुल रंजन ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। दुकानदार के मुताबिक करीब 85 हजार की लूट हुई है। जल्द ही मामले का खुलासा दर दिया जाएगा।

सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में ईडी की छापेमारी

एजेंसी, पटना

सिपाही भर्ती परीक्षा में हुए पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने आज बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में एक साथ छापेमारी चल रही है। मनी लॉन्ड्रिंग के तहत दर्ज इस मामले में ED की यह बड़ी कार्रवाई है। इंजीनियर सिकंदर प्रसाद यदुवंशी के दानापुर स्थित जेन X अपार्टमेंट के ब्लॉक सी के 607 फ्लैट में ED ने छापेमारी कर फ्लैट को सील कर दिया है।

11 ठिकानों पर छापेमारी: सूत्रों के अनुसार, इस सर्च ऑपरेशन के तहत बिहार और झारखंड में कुल 11 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पटना में डॉ. शिव नामक एक आरोपी के ठिकाने पर और झारखंड की राजधानी रांची में सिकंदर प्रसाद यादवेंद्र के आवास पर छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि

यह सभी लोग सिपाही भर्ती घोटाले से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। इस कार्रवाई में ED की नजर उस गैंग पर है जो इस पेपर लीक कांड में बड़े स्तर पर शामिल रहा है। इस गैंग का सरगना संजीव मुखिया बताया जा रहा है, जिसके कई रिश्तेदारों के यहां भी छापेमारी की जा रही है। बिहार में इन रिश्तेदारों के अलग-अलग ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन जारी है।

♦ 4 राज्यों में 11 जगहों पर चल रही है रेड, संजीव मुखिया के रिश्तेदारों के यहां भी पहुंची टीम

पहले EOU कर रही थी मामले की जांच: गौरतलब है कि इस मामले की शुरुआत बिहार पुलिस की जांच एजेंसी आर्थिक अपराध इकाई (EOU) द्वारा की गई कार्रवाई से हुई थी।

EOU की जांच में पेपर लीक और आर्थिक लेन-देन के पुख्ता सबूत मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। ED की टीम आज नालंदा (बिहार), लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में भी छापेमारी कर रही है। माना जा रहा है कि इस कार्रवाई से पेपर लीक मामले से जुड़े कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

राजगीर में 29 जून को होगा बहुजन भीम संकल्प समागम

एजेंसी, पटना

♦ चिराग पासवान के नेतृत्व में होगा आयोजन, विदेशी मेहमान भी होंगे शामिल

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने नालंदा के राजगीर में होने वाले बहुजन भीम संकल्प समागम की तैयारियों को लेकर दानापुर में बैठक की। लोजपा रामविलास के प्रदेश प्रभारी सह सांसद अरुण भारती ने बैठक में कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए। समागम 29 जून को पूर्व विधायक संजीव पासवान के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाना है। चिराग पासवान के नेतृत्व में 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के विजन को मजबूती दी जाएगी।

पूरे बिहार के नेता हैं चिराग: अरुण भारती ने कहा कि कुछ राजनीतिक ताकतें चिराग पासवान को एक वर्ग तक सीमित करना चाहती हैं। लेकिन, वे पूरे बिहार के नेता हैं। कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों के आने की भी संभावना है। लोजपा (रामविलास) बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। भारती ने कहा कि जहां पार्टी खुद चुनाव लड़ेगी, वहां पूरी ताकत लगाई जाएगी। गठबंधन वाली सीटों पर सहयोगियों को पूरा समर्थन दिया जाएगा। पार्टी का लक्ष्य बिहार को विकसित भारत का आधार बनाना है। इस दिशा में चिराग पासवान की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

पटना में वाहन चेकिंग के दौरान अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

दानापुर के रूपसपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक स्कूटी सवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सेवरी नगर नहर पर रहने वाले आकाश कुमार के रूप में हुई है। पटना सिटी SP पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि रूपसपुर ROB के पास वाहन जांच अभियान चल रहा था। दीघा से सेवरी नगर जा रहे स्कूटी सवार को रोका गया। तलाशी में स्कूटी की डिक्की से एक देशी कट्टा मिला। पुलिस ने आरोपी को थाने लाकर पूछताछ की। उसकी निशानदेही पर सेवरी नगर स्थित उसके घर से एक और देशी कट्टा बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों कट्टे और स्कूटी जब्त कर ली है।

पहले भी जेल जा चुका है आरोपी: आरोपी का आपराधिक

♦ स्कूटी सवार के पास से 2 देशी कट्टा बरामद, पहले भी जेल जा चुका है आरोपी

रिकॉर्ड है। पटना हवाई अड्डा थाने में उस पर केस नंबर 292/22 दर्ज है। इस मामले में वह जेल भी जा चुका है। रूपसपुर थाने में भी उस पर केस नंबर 1023/23 दर्ज है। पुलिस उसका अन्य आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

आत्मरक्षा और सीरियस मामले में गोली चलाना अलाउड

पदभार संभालते ही पटना एसएसपी बोले- अपराध पर लगाम लगाना मेरी प्राथमिकता

एजेंसी, पटना

पटना SSP कार्तिकेय के शर्मा ने आज पदभार संभाल लिया है। SSP दफ्तर में उन्हें पदभार संभालने से पहले गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान पटना सेंट्रल SP, ग्रामीण SP समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आत्मारक्षा और सीरियस मामले में गोली चलाना अलाउड: SSP ने कहा कि विवेक के अनुसार पुलिस कार्रवाई करेगी। पुलिस को आत्मरक्षा और किसी सीरियस मामले में गोली चलाना अलाउड है। पुलिस अपने विवेक से जवाबी कार्रवाई कर सकती है। SSP ने कहा कि मेरी प्राथमिकता होगी कि आम जनता सुरक्षा की भावना

और विश्वास के साथ अपने घर के बाहर निकल सके। पुलिसिंग हर जगह चैलेंजिंग होती है। यह राजधानी है, काफी घनत्व वाला क्षेत्र है, तो चैलेंजिंग रहेगी ही। हमारी टीम काफी अच्छी है। मुझे विश्वास है कि पहले के अनुभव और यहां की टीम के बदौलत इस चैलेंज से भी निपट लेंगे। मैं यहां अपराध रोकथाम पर काम करूंगा। मेरी पहली प्राथमिकता यहीं होगी कि यहां अपराध नहीं हो। विशेष ध्यान इसी पर होगा।

अपराध पर रोकथाम होगी मेरी प्रायोरिटी: कार्तिकेय शर्मा ने आगे कहा कि पुलिस के तीन कर्तव्य हैं, लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करना, अपराध का रोकथाम करना, अपराध हो जाए तो उसका अनुसंधान करना। मेरी प्रायोरिटी अपराध पर रोकथाम होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और पब्लिक एक हैं। दोनों बेहतर तालमेल बैठाकर चलें। बेहतर कॉर्डिनेशन से ही समाधान संभव है। पब्लिक निर्भीक होकर पुलिस के साथ आएं और पुलिस से भी अपील होगी कि वो आम जनता तक जाएं। उनकी बातें सुने।

पालीगंज में सड़क हादसे में 3 लोग जख्मी, पीएमसीएच किया गया रेफर

एजेंसी, पटना

पालीगंज अनुमंडल में एसएच-2 पर धरहरा मोड़ के पास सड़क हादसा हुआ। बिक्रम से पालीगंज जा रहे टेम्पो की अनुमंडल कार्यालय के निकट जेसीबी से टक्कर हो गई। इसके बाद टेम्पो सड़क किनारे पलट गया। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों में 45 वर्षीय रूबी खातून, 18 वर्षीय आजाद साह और 10 वर्षीय साबिया प्रवीण शामिल हैं। पालीगंज थाने की पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से तीनों को स्थानीय अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया।

ड्राइवर मौके से भागा: पालीगंज अनुमंडल के सिगोड़ी थाने के पिंजरवा निवासी आजाद साह ने बताया कि वह अपनी मां और दिव्यांग बहन के साथ किराए के टेम्पो में बिक्रम से पिंजरवा जा रहा

सभी घायल एक ही परिवार से हैं

था। हादसे में उसकी मां के दोनों हाथ टूट गए हैं। घटना के बाद दोनों वाहन चालक मौके से फरार हो गए।

वाहनों की हो रही पहचान: घटना को लेकर पालीगंज थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पालीगंज थानाक्षेत्र के SH 2पथ के धरहरा मोड़ के पास दो वाहनों की टक्कर में तीन लोग घायल होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद थाने की पुलिस मौके पर पहुंची जहां सभी घायलों को अस्पताल लाया गया जहां से पटना रेफर किया गया है। हालांकि घटना के बाद दोनों वाहन के चालक अपने-अपने वाहन लेकर भाग गए । फिलहाल वाहनों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। इसके अलावा यातयात को भी चालू कर दिया गया है।

बिहार में पहली बार ई-वोटिंग से होगा चुनाव नौबतपुर नगर पंचायत में 28 को मतदान

एजेंसी, पटना

बिहार में पहली बार ई-वोटिंग की सुविधा नौबतपुर नगर पंचायत चुनाव में शुरू की जा रही है। 28 जून को होने वाले इस चुनाव में मतदाता घर बैठे मोबाइल से वोट कर सकेंगे। दानापुर की अनुमंडल पदाधिकारी दिव्य शक्ति ने गुरुवार को साइकिल रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक किया।

प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा: अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि ई-वोटिंग की सुविधा उन मतदाताओं के लिए है, जो मतदान केंद्र तक नहीं पहुंच सकते। इसमें 18 वर्ष से अधिक उम्र के छात्र-छात्राएं भी शामिल हैं। ई-वोटिंग के लिए मतदाताओं को प्ले स्टोर से SECBHR ऐप डाउनलोड करना होगा। इसमें अपनी फोटो अपलोड कर पंजीकरण कराना होगा। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि यह

♦ मोबाइल एप से घर बैठे कर सकेंगे वोट

तकनीक पूरी तरह सुरक्षित है।

नगर पंचायत में 15 वार्ड: नौबतपुर नगर पंचायत में 15 वार्ड हैं। यहां लगभग 18 से 20 हजार मतदाता हैं। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इसके लिए 30 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। अध्यक्ष पद के लिए 6 और उपाध्यक्ष पद के लिए 4 उम्मीदवार मैदान में हैं।

जागरूकता अभियान में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी रोशन कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी भी मौजूद थे।

पटना में ताला तोड़कर शिक्षिका के घर में चोरी

पटना। पटना में महिला शिक्षिका के घर बुधवार रात 20 लाख रुपए के सामान की चोरी हुई है। पूरा मामला बेउर थाना क्षेत्र के बेतौरा गांव के राम जानकी मंदिर के पास की है। दरअसल, बिहटा के सरकारी स्कूल में कार्यरत शिक्षिका राधा कुमारी का परिवार बीमारी के कारण अस्पताल गया हुआ था। घर का मुख्य दरवाजे पर ताला लगा हुआ था। गुरुवार सुबह जब परिवार लौटा तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर गोदरेज और बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवरात, नगद रुपए, कीमती कपड़े और बर्तन चुरा लिए। शिक्षिका के देवर अमलेश कुमार ने एक स्थानीय व्यक्ति पर शक जताया है, जिससे उनका जमीन विवाद चल रहा है। बेउर थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की सूचना मिल गई है। फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की टीम घटनास्थल की जांच कर रही है।

लालू बोले- आरएसएस-नीतीश को हटाओ, तेजस्वी को सीएम बनाओ

एजेंसी, पटना

पटना के ज्ञान भवन में में राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की राज्य परिषद की बैठक हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा, 'चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं। जो मेहनत करेगा पार्टी उसे ही अपना उम्मीदवार बनाएगी।' उन्होंने कहा, 'रात दिन तेजस्वी यादव मेहनत कर रहे हैं। पार्टी को मजबूत कर रहे हैं। हर हाल में तेजस्वी को पार्टी की तरफ से CM फेस बनाए रखना है। सब लोग मिलकर तेजस्वी को सीएम बनाइए।' RJD की मीटिंग में राजद सुप्रीमो ने आगे कहा, 'RSS और नीतीश कुमार को हटाना है और अपनी सरकार लाना है।'

जो लोग अकेले रहते हैं वो परिवारवाद की बात करते हैं- राबड़ी देवी: राबड़ी देवी ने PM मोदी पर बिना नाम लिए तंज कसते हुए कहा- 'जो लोग अकेले रहते हैं

वो परिवारवाद की बात करते हैं। जो अकेले रहता है वो परिवार क्या जाने, परिवारवाद की बात करता है।' 'तेजस्वी जो तय किए हैं, वही करना है। हम लोग उनके साथ हैं। पूरा बिहार परिवार हमारा है। जिसको जितना गाली देना है गली देते जाइए। सब को एक जुट रहना है।' 'कैसे-कैसे लोग सरकार में हैं। यह महा जंगल राज नहीं राक्षस राज है। रोड पर कोई चल नहीं पा रहा, घर में घुस-घुसकर मारा जा रहा है।सारा काम सरकार का लोग कर रहे हैं।' 'मीडिया को सरकार का कुछ नहीं दिखता है। हम लोग के राज में में कुछ होता है तो एक महीना दिखाता है सब। सरकार में क्या हो रहा है, आप देख ही रहे है। लालू और तेजस्वी यादव सत्तू खाते हैं तो लोग मजाक उड़ाते हैं।'

♦ राजद की मीटिंग में राबड़ी का पीएम पर तंज- जो अकेले रहता है, वह परिवार क्या जाने

तेजस्वी बोले- चाचा को बिहार से कोई मतलब नहीं: तेजस्वी यादव ने कहा- 'हमारे चाचा अचेत अवस्था में हैं। उन्हें बिहार और बिहारियों से कोई मतलब नहीं है। वो नीति आयोग की बैठक में नहीं जाते। NDA की बैठक के लिए दिल्ली पहुंच जाते हैं। नीतीश कुमार को एक ही चिंता वो अपनी कुर्सी बचना चाहते है।' 'दोनों डिप्टी CM में कॉम्पिटिशन चल रहा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा तो दूसरा भी करने लगता है। बस गाली देकर मोदी जी सामने नंबर बढ़ाने में लगे हैं। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल इतनी गंदी-गंदी गालियां देते हैं। नए प्रदेश अध्यक्ष है जायसवाल जी। ये तो गाली की डिक्शनरी हैं।' 'सम्राट चौधरी के पिताजी ने नीतीश को इतनी गंदी-गंदी गली दी, हम कुछ बोल नहीं सकते हैं। सम्राट चौधरी पगड़ी पहने हुए थे। बोले थे पगड़ी नहीं खोलेंगे। नीतीश जी उनसे पगड़ी तो खुलवा दी, लेकिन दिमाग का अकाल खत्म नहीं हुआ।'

नए प्रदेश अध्यक्ष बोले- पूरी दुनिया जानती, तेजस्वी अगले CM होंगे: मंगनीलाल को मंडल को प्रदेश अध्यक्ष का प्रमाण पत्र सौंपा गया। नए प्रदेश अध्यक्ष मंगली लाल मंडल ने कहा, अब तो पूरी दुनिया जान गई है कि तेजस्वी यादव बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे।' 'तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार से कहकर बिहार में कई पदों पर वैकेंसी निकलवाई। आरक्षण भी तेजस्वी ने ही बढ़ाया और जातीय जनगणना भी कराया। तेजस्वी यादव ने 65 फीसदी आरक्षण लागू करवाया, लेकिन कोर्ट ने इसे रोक दिया।' 'मंगनी लाल ने कहा कि पिछड़ा का कोई सबसे बड़ा दुश्मन है तो वो नीतीश कुमार हैं। अब हवा बदल गई है इसलिए पीएम को बार-बार बिहार आना पर रहा है।'

संक्षिप्त समाचार

वर्षा के कारण शारीरिक दक्षता परीक्षा स्थगित, नई तिथि जारी

बीएनएम। मोतिहारी। दिनांक- 18.06.2025, बुधवार की रात्री में अत्यधिक वर्षा होने के कारण स्थानीय पुलिस केन्द्र मैदान एवं गाँधी मैदान, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी में जल जमाव और कीचड़ हो गया है। ऐसी परिस्थिति में दिनांक-19.06.2025 को निर्धारित शारीरिक दक्षता जाँच परीक्षा कार्यक्रम को निर्देशानुसार स्थगित किया जाता है। दिनांक-19.06.2025 को आयोजित होने वाली यह परीक्षा अब दिनांक-05.07.2025 को पूर्व निर्धारित मैदान में आयोजित किया जायेगा। प्रवेश पत्र में कोई परिवर्तन नहीं होगा, इसके लिए पूर्व का प्रवेश पत्र ही मान्य होगा। शेष दिनों की परीक्षा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित होगी। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सदस्य सचिव-सह-जिला समादेष्टा, बिहार गृह रक्षा वाहिनी कार्यालय, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी द्वारा दी गई है।

हरसिद्धि में संदिग्ध हालात में महिला की मौत, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

- पुलिस ने कहा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का होगा खुलासा, ससुराल पक्ष फरार

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के बैरियाडीह पंचायत अंतर्गत धवही गांव वार्ड संख्या-18 में एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतका की पहचान पूजा देवी (32 वर्ष) पत्नी उमेश सहनी के रूप में हुई है। हरसिद्धि पुलिस ने मौके से शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी थानाध्यक्ष मनीष राज ने बताया कि देर रात सूचना मिलने के बाद एसआई पारस कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। वहां घर के भीतर पूजा देवी का शव मिला, जिसके गले पर संदिग्ध काले निशान पाए गए हैं। मृतका की मां चिंता देवी, जो मेहसी थाना क्षेत्र के चक्र लघुरन गांव की निवासी हैं, ने थाने में आवेदन देकर दहेज के लिए बेटी की गला दबाकर हत्या किए जाने का गंभीर आरोप ससुराल वालों पर लगाया है। वहीं, मृतका की एक छोटी बेटी ने पुलिस को बताया कि उसकी मां और बड़ी मां (पति के बड़े भाई की पत्नी) के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद उसकी मां ने फांसी लगा ली। पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी थानाध्यक्ष मनीष राज ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि यह आत्महत्या है या हत्या। शव का पोस्टमार्टम कराकर मृतका के मायके पक्ष को सौंप दिया गया है। इस बीच, मृतका के ससुराल वाले घर से फरार हैं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 55वां जन्मदिन

बीएनएम। मोतिहारी/ढाका। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का 55वां जन्मदिवस ढाका विधानसभा क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ढाका विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी अभिजीत सिंह के आवासीय कार्यालय में केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के जिला महासचिव बिंदेश्वर सिंह ने की, जबकि संचालन आकाश सिंह राठौर द्वारा किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व प्रत्याशी अभिजीत सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली और हार्वर्ड विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने 2004 में अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़कर अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और उसमें सफलता पाई। अपनी राजनीतिक यात्रा में उन्होंने कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन अपने सिद्धांतों और मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का सपना एक ऐसे भारत का है, जहाँ सभी नागरिकों को समान अवसर मिले और सामाजिक न्याय की स्थापना हो। सिंह ने विश्वास जताया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में देश और अधिक मजबूत तथा सशक्त बनेगा। कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह, मनोज सिंह, भोला सिंह, प्रमोद कुमार, मोहन राय, गौरी सिंह, विकास कुमार, रवि कुशवाहा, महताब आलम, राहुल जायसवाल सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मॉनसुन की पहली बूंदो ने रक्सौल नगर परिषद के दावो की खोली पोल

बीएनएम। मोतिहारी । जिले में मॉनसुन की पहली बारिश से लोगो को भीषण गर्मी राहत तो मिली है,वही जगह जगह जलजमाव और कीचड़ ने परेशानी भी खड़ी कर दी है। सबसे खराब हालत का सामना रक्सौल नगर परिषद के नागरिको करना पड़ रहा है। जहां कुछ घंटे की बारिश से पूरा शहर नरक में तब्दील हो गया है।नगर परिषद के दावो के इतर शहर का पूरा ड्रेनेज सिस्टम बेकार नजर आ रहा है। लिहाजा भारत-नेपाल को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर लगभग दो फीट तक पानी जमा हो गया है।जिससे आम नागरिको को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर परिषद ने तो बारिश पूर्व नालों की उड़ाही का दावा किया था, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आर ही है। रक्सौल के प्रधान पथ के साथ ही सभी बाजार क्षेत्र में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। जिससे यातायात के साथ ही व्यापारिक गतिविधियों भी बाधित हुई है। स्थानीय नागरिको ने हालात पर नाराजगी जताते हुए कहा कि हर साल की तरह इस बार भी केवल नाला सफाई के नाम पर खानापूर्ति हुई है। लोगो ने बताया कि ससमय सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने से आने वाले दिनों में हालात और बदतर हो सकते हैं। इस संबंध में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी डॉ मनीष कुमार ने बताया कि आगामी दिनों में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिए नगर परिषद के कर्मी दिन रात लगे हुए है। जल निकासी के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे है।

फाइलेरिया मुक्त पंचायत बनाने में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण- मंत्री

» जिले के कल्याणपुर के मुखिया संजय कुमार हुए सम्मानित

राज्य फ़ाइलेरिया कार्यालय एवं पीरामल फाउंडेशन के सौजन्य से "फाइलेरिया मुक्त पंचायत पहल" कार्यशाला आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

"राज्य को फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से पूरी तरह मुक्त करने के लिए समन्वित और एकजुट प्रयासों की आवश्यकता है। राज्य सरकार एवं पीरामल फाउंडेशन फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है"। उक्त बातें मंगलवार को पटना में पीरामल फाउंडेशन द्वारा आयोजित "फाइलेरिया मुक्त पंचायत पहल" कार्यशाला में केदार प्रसाद गुप्ता, पंचायती राज मंत्री ने पूर्वी चम्पारण के कल्याणपुर के मुखिया संजय कुमार , साउथ गवांडरा पंचायत क़ो बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया। इस दौरान पिरामल के डीएल मुकेश कुमार भी उपस्थित थे। मंत्री ने राज्य के अन्य मुखियाजनों को प्रशस्ति पत्र एवं जिला परिषद अध्यक्षों को स्मृति चिन्ह देकर फ़ाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में सम्मानित किया। इस दौरान कार्यशाला में मंत्री के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और संस्था से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यशाला में पंचायतों की भूमिका को केंद्र में रखते हुए फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर रणनीति और सहभागिता पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री ने स्पष्ट किया कि फाइलेरिया जैसी बीमारी से लड़ाई केवल किसी एक संस्था या सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए पंचायत स्तर पर कार्य करने वाले सभी जनप्रतिनिधियों जैसे मुखिया, पंचायत सदस्य, वार्ड सदस्य और जिला परिषद सदस्य की सक्रिय और समन्वित भागीदारी आवश्यक है। जब तक सभी प्रतिनिधि मिलकर एकजुट होकर काम नहीं करेंगे, तब तक फाइलेरिया जैसी बीमारी का उन्मूलन संभव नहीं हो पाएगा। उन्होंने आगे अपील की कि पंचायतों में पहले से चल रहे नौ प्रमुख विकास थीम के साथ फाइलेरिया उन्मूलन को भी जोड़ें। प्रधानमंत्री का सपना है कि भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने और गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे। यह तभी संभव होगा जब फाइलेरिया जैसी बीमारियों को जड़ से खत्म किया जाए। डॉ. श्यामा राय, अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, फ़ाइलेरिया ने बताया कि राज्य में फ़ाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चलाये जाने वाले सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम में पंचायतों के मुखिया द्वारा अत्यंत ही सराहनीय काम किया गया है. यह कार्यशाला न केवल स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत पहल है बल्कि पंचायत को सशक्त बनाकर स्वस्थ और रोगमुक्त समाज की स्थापना की दिशा में एक ठोस पहल है। एस्पिरएशनल भारत कोलेबओरेटिव के सीईओ मनमोहन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि पीरामल फाउंडेशन 1932 से देश भर में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रही है, और सरकार के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि अगर समाज में परिवर्तन लाना है तो सबसे पहले पंचायत स्तर से शुरुआत करनी होगी। गांवों में जब कोई समस्या आती है तो सबसे पहले मुखिया ही लोगों के पास पहुँचता है। इसलिए फाइलेरिया जैसे रोग के खिलाफ लड़ाई में पंचायतों की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन अंतिम पायदान पर खड़े समुदायों के साथ मिलकर काम करता है, जिससे हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें और रोगों से बचाव हो। इस मौके पर फाइलेरिया मुक्त भारत अभियान से जुड़े विकास सिन्हा ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि हमारी टीम सरकार और पंचायतों के साथ मिलकर लगातार फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में प्रयासरत है। अगर सभी विभाग और पंचायत प्रतिनिधि मिलकर काम करें, तो इस बीमारी को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। कार्यक्रम में अन्य उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपने विचार साझा किए और सभी ने एकजुट होकर "फाइलेरिया मुक्त पंचायत" के लक्ष्य को हासिल करने का संकल्प लिया।

हरसिद्धि में पुलिस ने 30 किलो गांजा बरामद किया, एक गिरफ्तार, बुलोरो जप्त

बीएनएम।हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के सेवरहा चौक के पास पुलिस ने एक बोलेरो वाहन से 30 किलो 250 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस दौरान वाहन चालक को मौके से गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी मनीष राज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि छपवा की ओर से अरेराज की तरफ एक बोलेरो में मादक पदार्थ की बड़ी खेप भेजी जा रही है। इस सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (अरेराज) रंजन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सेवरहा चौक पर सघन वाहन जांच शुरू की। जांच के दौरान हरसिद्धि की ओर से आ रही एक बोलेरो को रोका गया। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जब वाहन की तलाशी ली गई, तो उसमें रखे सात पैकेटों में कुल 30 किलो 250 ग्राम गांजा पाया गया। पुलिस ने गाड़ी के चालक सुभाष कुमार, पिता अमेरिका महतो, निवासी भालूअहिया गांव, मैनाटांड़ थाना, पश्चिमी चंपारण को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। बोलेरो वाहन को भी जप्त कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। इस कार्रवाई में अंचल निरीक्षक पूर्ण काम समर्थ, अपर थाना अध्यक्ष मनीष राज, दारोगा अविनाश कुमार, दारोगा राजीव रंजन, तथा जिला आसूचना इकाई, मोतिहारी की टीम शामिल रही। आरोपी को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

आगामी बाढ़ एवं बरसात को देखते हुए सभी तटबंधों की निगरानी एवं चौकसी बढ़ाई जाए- जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा गुरुवार को संयुक्त रूप से बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल मोतिहारी अंतर्गत संग्रामपुर प्रखंड के पुछरिया ग्राम में कटाव निरोधक कार्य का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान उपस्थित कार्यपालक अभियंता के द्वारा बताया गया कि चंपारण तटबंध के किलोमीटर 103 के समीप नदी भाग में बसे पुछरिया ग्राम को बचाने के लिए कटाव निरोधक कार्य कराया जा रहा है। इस एजेंडा के तहत 700 मीटर की लंबाई में बोल्डर एवं गेबियन से कार्य कराया जाना है। उन्होंने बताया कि उक्त कार्य के हो जाने से पुछरिया ग्राम पर गंडक नदी का दबाव कम हो जाएगा। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि तटबंध एवं संरचनाएं सुरक्षित हैं। जिलाधिकारी के द्वारा बाढ़ प्रमंडलो के सभी कार्यपालक अभियंताओं को सभी बांधों की सतत निगरानी एवं चौकसी रखने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय ग्रामीणों से मिलकर भी फीडबैक प्राप्त किया एवं उसके आधार पर अभियंताओं को जरूरी निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के साथ नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव एवं अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज अरुण कुमार भी मौजूद थे।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने कई कार्यकर्ताओं के साथ किया रक्तदान

बीएनएम। मोतिहारी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार को पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा जिला अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय के नेतृत्व में जनसेवा से जुड़े तीन प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रक्तदान शिविर से हुई, जिसमें स्वयं जिला अध्यक्ष ई. गप्पू राय, राजू दुबे, रिषभ कुमार सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गप्पू राय ने कहा कि "रक्तदान महादान है और राहुल गांधी के जन्मदिवस को हम सेवा दिवस के रूप में मनाकर जनकल्याण को समर्पित कर रहे हैं।" रक्तदान के पश्चात सभी कार्यकर्ताओं ने सदर अस्पताल में मरीजों के बीच फल वितरण कर उनका हालचाल जाना एवं स्वास्थ्य लाभ की कामना की। चकिया प्रखंड के सागरपुर पंचायत स्थित दलित बस्ती में आयोजित हुआ, जहाँ केक काटकर राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं के बीच सैनेटरी पैड और फल वितरण किया गया, जिससे महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश भी प्रसारित हो। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय ने कहा कि "राहुल गांधी की सोच और संघर्ष का मूल भाव ही है सेवा, समानता और संवेदना। उनके जन्मदिवस पर हमारी पार्टी हर वर्ग के बीच जाकर समाजसेवा के कार्यों को करती रहेगी।" इन सभी कार्यक्रमों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही और जनसरोकार को केंद्र में रखकर राहुल गांधी के जन्मदिवस को यादगार बनाया गया। इस मौके पर शैलेन्द्र कुमार सिंह, महिला जिला अध्यक्ष किरण कुशवाहा, मुनमुन जायसवाल, ऋषि सिंह, आशिष रंजन सिंह, सत्येन्द्र नाथ तिवारी, राजकुमार, संजय सात्विक, रिषभ कुमार, राजू दूबे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

प्रति सप्ताह 1000 कृषि विद्युत कनेक्शन देने का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला विद्युत विभाग के तीनों डिवीजन के कार्यपालक अभियंताओं एवं कृषि पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें किसानों को पटवन हेतु दिए जा रहे विद्युत कनेक्शन एवं बन रहे कृषि फीडरों की विस्तृत समीक्षा की गई। उक्त समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि वर्तमान में औसतन 518 कृषि विद्युत कनेक्शन प्रति सप्ताह दिए जा रहे हैं, जिसे बढ़ाकर 1000 कनेक्शन प्रति सप्ताह किए जाने का निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा विद्युत विभाग के कनीय अभियंताओं, लाइनमैन एवं मिस्त्रियों को निर्देशित किया गया कि वे उपभोक्ताओं के फोन रिसीव करें एवं उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त, जहां-जहां तार, पोल और ट्रांसफार्मर की चोरी से विद्युत संरचना प्रभावित हुई है, वहां त्वरित मरम्मत कर विद्युत आपूर्ति चालू की जाए। बैठक में जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा एवं नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

नौकरी के बहाने घर से भगाकर नाबालिग की हत्या

तिलावे नदी किनारे जलाने का आरोप-रक्सौल में दिल दहला देने वाली वारदात,आरोपी फरार

बीएनएम। मोतिहारी

प्रेम प्रसंग में एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की की हत्या कर उसके शव को तिलावे नदी के किनारे जलाए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना रक्सौल थाना क्षेत्र की है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। परिजनों की ओर से दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 4 जून को किशोरी ने अपनी मां से कहा कि वह मोतिहारी में नौकरी के इंटरव्यू के लिए जा रही है और शाम तक लौट आएगी। गरीब माता-पिता को नौकरी की आस में कोई शक नहीं हुआ और उन्होंने बेटी को जाने की इजाजत दे दी। लेकिन जब रात तक वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। कई दिनों तक ढूंढने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला, तब पिता ने उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटानी शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि किशोरी का संपर्क जोकियारी पंचायत के सिहोरवा गांव के ई-रिक्शा चालक सुदामा पटेल से था। वह स्कूल जाने के दौरान प्रतिदिन सुदामा के रिक्शा में बैठती थी और इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए थे। शक गहराने पर जब किशोरी के पिता सिहोरवा गांव स्थित सुदामा के घर पहुंचे, तो वहां ताला लगा मिला। ग्रामीणों से जानकारी लेने पर पता चला कि सुदामा पटेल और उसके परिवार के लोगों ने हाल ही में एक लड़की का शव तिलावे नदी के किनारे जलाया था। यह भी बताया गया कि इसके बाद से वे सभी फरार हैं। शव की पुष्टि के लिए लड़की के पिता नदी के किनारे पहुंचे और तलाश भी की, लेकिन शव का कोई निशान नहीं मिला। हालांकि, सुदामा के घर के पास से नाबालिग लड़की के कपड़े बरामद हुए हैं, जिससे हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। इस मामले में रक्सौल थाना में पीड़िता के पिता द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। रक्सौल थानाध्यक्ष विजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जैसे ही आवेदन प्राप्त हुआ, प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच तेजी से की जा रही है। पुलिस टीम आरोपी सुदामा पटेल की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। जल्द ही घटना की सच्चाई सामने आयेगी।

उत्तर बिहार के लोगों को मिलेगी वंदे भारत की सौगात , पीएम करेंगे उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

रेलवे ने चंपारण और मुजफ्फरपुर समेत उत्तर बिहार को बड़ी सौगात दी है।अब गोरखपुर से पटना के बीच वंदे भारत ट्रेन दौड़ेगी।जिसकी शुरूआत 20 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिवान में आयोजित कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से करेगे। इस ट्रेन की शुरूआत होने से पूर्वी व पश्चिमी चंपारण के साथ मुजफ्फरपुर और वैशाली जिले के लोगो को कम समय में पटना पहुंचने में सहुलियत होगी। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार उद्घाटन स्पेशल बंदे भारत ट्रेन पाटलिपुत्र से रवाना होकर दोपहर दो बजे के करीब बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पहुंचेगी। जहां सांसद सह पूर्व केन्द्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अगले स्टेशन के लिए रवाना करेंगे। बंदे भारत ट्रेन की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ लगातार जागरूकता अभियान चला रही है।वही इस ट्रेन को लेकर रेलवे बोर्ड ने समय सारणी जारी किया है। जिसके अनुसार, गाड़ी संख्या 26502 गोरखपुर-पाटलिपुत्र बंदे भारत एक्सप्रेस गोरखपुर से सुबह 05:40 बजे खुलकर, 06:24 बजे कप्तानगंज, 07:05 बजे पनियहवा, 07:30 बजे बगहा, 08:05 बजे नरकटियागंज, 08:35 बजे बेतिया, 08:50 बजे सुगौली,, 9:08 बजे बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, 10:50 11:40 बजे हाजीपुर होते हुए दोपहर 12:45 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 26501 पाटलिपुत्र-गोरखपुर बंदे भारत एक्सप्रेस दोपहर 02:25 बजे पाटलिपुत्र से खुलकर 03:00 बजे हाजीपुर, 03:55 बजे मुजफ्फरपुर, शाम 05:38 बजे बापूधाम मोतिहारी, 06:05 बजे बेतिया, 06:33 बजे नरकटियागंज, 07:02 बजे बगहा, 07:50 बजे पनियहवा, 08:24 बजे कप्तानगंज होते हुए रात्रि 09:35 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। शनिवार को छोड़कर यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी। आरपीएफ के अनुसार वंदेभारत ट्रेन परिचालन शुरू होने को लेकर रेलवे लाइन किनारे बसे लोगों को रेलवे ट्रैक से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में घायल बच्चे की इलाज के दौरान मौत, परिजनों में मचा कोहराम

बीएनएम। तुरकौलिया। सपही वार्ड संख्या-10 में चार दिन पहले अज्ञात बाइक की ठोकर से गंभीर रूप से घायल हुए पांच वर्षीय दिलशान आलम की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह सेमरा बेलवातिया गांव निवासी खुर्शीद आलम का पुत्र था। जानकारी के अनुसार दिलशान अपने घर के पास खेल रहा था, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात बाइक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में परिजनों ने उसे मोतिहारी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां चार दिन तक इलाज के बाद बुधवार की रात उसकी मौत हो गई। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। सूचना मिलने पर रघुनाथपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वन विभाग के कर्मी ने रेस्क्यू कर पकड़ा विषैला सांप

बीएनएम।जमुई/ झाझा। प्रखंड क्षेत्र के चितोतक काली मंदिर के समीप 5 फीट गहरे गड्ढे में एक विशाल जहरीला सांप लोगों के द्वारा देखा गया जिसके बाद लोगों के बीच हड़कंप मच गया। वही लोगों ने सांप देखे जाने के बाद वन विभाग को इसकी जानकारी दी जिसके बाद वन विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचकर करीबन 30 मिनट से भी अधिक समय तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सांप को पकड़ा और फिर उसे सुरक्षित बोरा में बंदकर जंगल मे छोड़ दिया। लोगों ने बताया कि सांप कोबरा प्रजाति का था जो चितोचक कि ओर से झाड़ियों से आकर गड्ढे में गिर गया।

योग दिवस पर गांधी मैदान में होगा योगा अभ्यास शिविर

बीएनएम।लखीसराय। कलेक्ट्रेट स्थित गांधी मैदान परिसर के खेल भवन में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक दिवसीय योगा अभ्यास शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी एडीएम सुधांशु शेखर को बनाया गया है। शिविर का आयोजन सुबह 5:30 बजे से शुरू होगा, जिसमें जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र सहित जिले के सभी कार्यालयों के कर्मी भाग लेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से न केवल योग के महत्व को दर्शाया जाएगा, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव से संबंधित जागरूकता का संदेश भी दिया जाएगा। योग शिविर के दौरान स्वीप कोषांग के तत्वावधान में मतदान जागरूकता से जुड़े बैनर, पोस्टर और स्लोगन लगाए जाएंगे। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ लोकतंत्र के प्रति जागरूक करना भी है। प्रशासन द्वारा सभी विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने कार्यालयों से अधिक से अधिक कर्मियों की भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि यह आयोजन सफल और प्रेरणादायक बन सके।

शराब समेत एक धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम। बैरिया : बैरिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार के दोपहर करीब 12 बजे थाना क्षेत्र के बथना घाट पर छापेमारी किया। जिसमे चार कार्टून शराब समेत एक धंधेबाज गिरफ्तार।थानाध्यक्ष अंकेश कुमार ने बताया की सूचना मिली की धंधेबाज अवैध शराब की खेप गंडक दियारा के रास्ते बथना घाट के तरफ आने वाला है।जिसकी जानकारी मिलते हि तुरंत जामदार सर्वेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर बथना घाट पर घेराबंदी कर छापेमारी किया।जिसमे चार कार्टून में 207 पिस शराब समेत एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है।पकड़ा गया धंधेबाज नौतन थाना क्षेत्र के शिवराजपुर निवासी कुंदन कुमार के रूप में हुई है।जिनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी में पुलिस जुट गई है।

35 नवनियुक्त एएनएम को नियमित टीकाकरण का प्रशिक्षण

बीएनएम। बगहा: शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बगहा दो में गुरुवार को नवनियुक्त एएनएम को नियमित टीकाकरण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में बगहा दो पीएचसी प्रभारी डॉ राजेश सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा नवनियुक्त 35 एएनएम को नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन, आदि का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें सभी नवनियुक्त एएनएम को टीकाकरण की विस्तृत जानकारी दी गई। साथी बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित टीकाकरण ससमय हो जिसको लेकर एएनएम द्वारा अपने क्षेत्र में टीकाकरण के बाद अपनी रिपोर्ट विभाग में सौपेंगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौके पर पीएचसी प्रभारी डॉक्टर राजेश सिंह, डॉ रणवीर सिंह , डॉ अरशद कमल, शहरी सलाहकार चंद किशोर कुमार जिला स्वास्थ्य समिति, पीएसआई से प्रताप सिंह , एएनएम जीएनएम और स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। शेखपुरा. जिले के अरियरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नवीनगर कंकराड़ मोड़ के समीप उत्पाद पुलिस द्वारा चलाये जा रहे वाहन जांच अभियान के दौरान एक बाईक सवार को रोककर पूछ-ताछ करने के दौरान उसके पीठ पर लदे बैग में और बाईक की डिक्की में 24 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई है. यह कार्रवाई उत्पाद थाना की दरोगा प्रीति कुमारी और पुलिस बल के द्वारा किया गया है. एएसआई इमरान अंसारी ने बताया है की गिरफ्तार शराब तस्कर जमुई जिले के चन्द्रदीप थाना क्षेत्र के डिहरीबीघा का रहने बाला है. जबकि शेखपुरा सदर थाना के दल्लु चौक के समीप रहकर यह शराब का धंधा करता है. आज अरियरी में नवी नगर कंकराड़ मोड़ के समीप उत्पाद अधीक्षक प्रकाश कुमार के निर्देश पर एएसआई इमरान अंसारी के नेतृत्व में दरोगा प्रीति कुमारी के द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था इसी कड़ी में एक बाईक पर सवार होकर जिसके डिक्की में और पीठ पर लदी बैग में करीब 24 लीटर देशी चुलाई शराब की बरामदगी की गई है. उत्पाद पुलिस ने आरोपी का बाईक और शराब जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया है और शराब कहाँ से लाइ जा रही थी इसके लिए पूछ-ताछ किया जा रहा है. कल मेडिकल जांच के बाद कारोबारी बिपिन कुमार को जेल भेज दिया जायगा |

विभिन्न मामले में फरार चल रहे पांच लोग गिरफ्तार

बीएनएम। शेखपुरा. टाउन थाना की पुलिस ने पचना गांव में छापेमारी कर दो वारंटी को गिरफ्तार किया है. दोनों गिरफ्तार वारंटी पर कोर्ट के द्वारा वारंट निर्गत था इसके बाद टाउन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर पचना गांव में छापेमारी कर वारंटी मनोज साव और मोहम्मद आबिद को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार दोनों वारंटी को पुलिस जेल भेजने की तैयारी में जुट गई है. वही बरबीघा प्रखंड क्षेत्र मिशन थाना क्षेत्र अंतर्गत के सामाचक गांव में मारपीट करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मिशन थाना की पुलिस ने सामाचक गांव निवासी अर्जुन प्रसाद के पुत्र अनुराग कुमार को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी को पुलिस जेल भेजने की तैयारी में जुट गई है. वही प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी देते हुए एसपी बलिराम कुमार चौधरी ने बताया है कि शेखपुरा टाउन थाना और बरबीघा के मिशन थाना के द्वारा यह गिरफ्तारी की गई है. जबकि मध्य निषेध कांड में फरार चल रहे दो अभियुक्तों ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है.

सख्तीः अस्पताल के संचालक और आशा कर्मी से स्पष्टीकरण

» बाद में महिला की हो गई थी मौत

महिला को बहला फुसलाकर कर झाझा इमरजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था

बीएनएम।जमुई /झाझा

निजी अस्पताल और उस अस्पताल में आशा कर्मी के द्वारा बहला फुसलाकर झाझा इमरजेंसी अस्पताल में भर्ती करवाने के संदर्भ में रेफरल अस्पताल की ओर से प्राइवेट अस्पताल के संचालक और आशा कर्मी के खिलाफ पत्र जारी स्पष्टीकरण किया गया। तीन दिनों के अंदर इसका जवाब देने को कहा गया है। झाझा इमरजेंसी अस्पताल में प्रसव के बाद बैजला गांव की रहने वाली महिला सीमा देवी, पति गोकुल यादव की मौत हो जाने का मामला है। इस संदर्भ में रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार सिंह ने सबसे पहले झाझा इमरजेसी अस्पताल के संचालक से पत्र से जवाब मांगा गया महिला की मौत पर लापरवाही से इलाज किया गया । इसलिए अस्पताल से जुड़ी दस्तावेज के साथ स्वयं उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें जबकि महिला को रेफरल अस्पताल परिसर से बहाल फुसलाकर प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाने के मामले में आशा कर्मी बैजला पंचायत की आशा संजू देवी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया था। मामला है कि सीमा देवी को 16 जून को उसके पति प्रसव के लिए रेफरल अस्पताल लाया था जहां सरकारी अस्पताल में भर्ती से पूर्व आशा कर्मी और उसके पति कपिलदेव यादव ने महिला को बहला फुसलाकर पहले एक पैथोलॉजी में जांच करवाई और बच्चा उल्टा होने की बात कहकर झाझा इमरजेंसी अस्पताल में भर्ती करवाया दिया था । जहां ऑपरेशन होने के बाद 17 जून को महिला की मौत हो गई। जिसपर उसके पति ने अस्पताल में इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था।

पाक्सो कांड के फरार आरोपी ने कुर्की के भय से किया आत्मसर्पण

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना कांड सं0-980/23 के प्राथमिकी नामजद अभियुक्त शाहिद आलम उर्फ बब्लू ने कुर्की के भय से न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। उल्लेखनीय है,कि तुरकौलिया थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी आले मोहम्मद के पुत्र शाहिद उर्फ बबलू पिछले दो वर्ष से फरार चल रहा था। इसने अपने ही गांव की नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार का प्रयास किया था। उक्त अपराधी के घर कुछ दिन पहले ही विधिवत रूप से इश्तेहिर चस्पा किया गया था। जिसके बाद इसने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है।पुलिस के अनुसार शाहिद का पुराना अपराधिक इतिहास है।इसके विरूद्ध विभिन्न धाराओ में तुरकौलिया थाना कांड सं0-275/20 तुरकौलिया थाना कांड सं0-324/20,तुरकौलिया थाना कांड सं0-387/20 तुरकौलिया थाना कांड सं0-724/20,तुरकौलिया थाना कांड सं0-591/21 (लाल वारंटी), तुरकौलिया थाना कांड सं0-980/20 (पोक्सो एक्ट), तुरकौलिया थाना कांड सं0-189/24 व केसरिया थाना कांड सं0-232/24 दर्ज है।

माइक्रो फाइनेंस के नाम पर महिलाओ से ठगी

» पचास से अधिक महिलाएं बनी शिकार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सुगौली नगर पंचायत के बंगरा गांव वार्ड नं 20 स्थित एक मकान में संचालित जीवन ज्योति माइक्रो फाइनेंस द्वारा पैसे लेकर धोखाधड़ी करने का मामला प्रकाश में आया है।जिसकी शिकार पचास से अधिक महिलाएं हुई है। पीड़ित महिलाओ ने बताया कि फाइनेंस कर्मियों द्वारा बताया गया कि घर के सभी समाग्री में से आप को जो चाहिए वह आप ले सकते हैं साथ में आप को किस्त पर पच्चास हजार रुपए भी दिए जाएंगे वहीं ग्रामीण महिलाओं ने किसी ने 4200 सौ रुपए दिए किसी ने 2500 सौ तो किसी ने सिलाई मशीन लेने के लिए 8000 रुपए दे दिए यह सोचकर कि कल पैसे हमलोगों के खाते में पच्चास हजार रुपए आ जाएंगे। परंतु फाइनेंस कंपनी वाले हम लोगों को धोखा देकर भाग खड़े हुए। हम सभी पुरी तरह बर्बाद हो गये है। पीड़ितो ने बताया कि किसी ने कर्ज लेकर पैसे दिए तो किसी ने अनाज बेचकर लेकिन सभी का पैसा लेकर कंपनी वाले फरार हो गये। प्रखंड के रामपट्टी भटहां के सोनी देवी, झुनी देवी,आशा देवी,पुजा देवी,तारा देवी,छोटी देवी,मैनी देवी, शिवरात्रि देवी,हनू देवी,कलिमा खातुन,तारा खातुन,शारधा देवी, उर्मिला देवी सहित सैकड़ों महिलाओं ने बताया कि फाइनेंस कर्मी अनुराग कुमार, सत्यम कुमार ने हमलोगों से पैसा लिया सामान देने को लेकर हमलोगों से जीवन ज्योति माइक्रो फाइनेंस ऐसोसिएशन के द्वारा पैसे लिये गये थे जो लेकर भाग गये। अंत में हमलोगों सभी मिलकर थाना में आवेदन देने के लिए आये है। ताकि उन पर कानूनी कार्रवाई की जाये जिससे हमलोगों को उचित न्याय मिल सकें। इस बाबत थानाध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आपराधिक साजिश रच रहे दो युवक गिरफ्तार, लोडेड देशी पिस्टल बरामद

बीएनएम। तुरकौलिया

जयसिंहपुर चिउटही में किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवकों में बिजुलपुर जिरात निवासी हिमांशु कुमार (19) और जयसिंहपुर चिउटही निवासी रजनीश कुमार (20) शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से एक लोडेड देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने रजनीश कुमार के घर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही दोनों युवक भागने लगे, जिन्हें खदेड़कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में हिमांशु ने स्वीकार किया कि हथियार रजनीश के दादा के कमरे के छज्जे पर छिपा कर रखा गया है। तत्काल पुलिस ने बताए गए स्थान की तलाशी ली, जहां से मेड इन यूएसए अंकित एक देशी ऑटो पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पकड़ लिए गए। छापेमारी टीम में एसडीओपी शिवम धाकड़, थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार, एसआई वीणा देवी सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

दादा दिग्विजय सिंह की 15वीं पुण्यतिथि पर सीएम समेत जुटेंगे दिग्गज नेता

बीएनएम। जमुई

स्थल निरीक्षण करते अधिकारी

मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि, शामिल होंगे कई बड़े नेता

बिहार की राजनीति को सादगी, ईमानदारी और जनसेवा की परिभाषा देने वाले दादा दिग्विजय सिंह की 15वीं पुण्यतिथि 24 जून (मंगलवार) को नया गाँव, गिद्धौर स्थित उनके पैतृक आवास पर पूरे श्रद्धा, सम्मान और भव्यता के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर देश और प्रदेश की राजनीति के दिग्गज नेता, मंत्री और सामाजिक हस्तियाँ श्रद्धासुमन अर्पित करने उपस्थित होंगे। इस आयोजन की अगुवाई कर रही हैं स्थानीय विधायक व अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज श्रीमती श्रेयसी सिंह, जिनके नेतृत्व में पुण्यतिथि कार्यक्रम को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। आयोजन स्थल पर श्रद्धा का माहौल है और स्थानीय जनमानस में अपार उत्साह देखा जा रहा है।

पुण्यतिथि समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा एवं भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित कई मंत्री, सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेता श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। राजनीतिक गलियारों में इस पुण्यतिथि को एक ऐतिहासिक मिलन के रूप में देखा जा रहा है, जहाँ विभिन्न दलों के नेता दादा दिग्विजय सिंह के आदर्शों को नमन करते हुए एक मंच पर दिखेंगे। भव्य आयोजन को सफल बनाने हेतु जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी से जुटा हुआ है। जिलाधिकारी श्री नवीन भा०प्र०से० एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल ने स्थल पर पहुँचकर सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन, पार्किंग, पेयजल, स्वास्थ्य, शौचालय एवं वीआईपी मूवमेंट जैसी व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आयोजन समिति से समन्वय कर युद्धस्तर पर तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पूर्व सांसद श्रीमती पुतुल कुमारी, जो दादा दिग्विजय सिंह की धर्मपत्नी भी हैं, ने आमजन से भावुक अपील करते हुए कहा—"दादा केवल नेता नहीं, बिहार की आत्मा और जनता के सच्चे सेवक थे। उनकी पुण्यतिथि पर हम सभी की उपस्थिति ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पटना में आयोजित कानू अधिकार रैली में उमड़ा जनसैलाब

बीएनएम। पटना

कानू समाज द्वारा पटना के मिलर हाई स्कूल परिसर में कानू अधिकार रैली का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कानू विकास संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजय कानू और पूर्वी चंपारण की केसरिया की पूर्व जिला पार्षद एवं राजद महिला जिला अध्यक्ष पूनम देवी ने दीप प्रज्वलन कर किया। रैली को संबोधित करते हुए पूनम देवी ने कहा कि कानू समाज को उनकी आबादी के अनुपात में सत्ता में भागीदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने कानू जाति को अनुसूचित जाति (SC) का दर्जा देने और कंसार आयोग के गठन की भी पुरजोर मांग की। सभा में हजारों की संख्या में जुटे समाज के लोगों ने एकजुटता दिखाते हुए "जय कानू" के नारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। पूनम देवी ने रैली में शामिल सभी भाई-बहनों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख लोगों की सहभागिता रही और इसे कानू समाज की जागरूकता और एकता का प्रतीक बताया गया।

नाली अतिक्रमण को लेकर लोग हुए एकजुट

बीएनएम। बगहा

» नाली से नहीं निकल रहा पानी
» बरसात में लोगों को होती है दिक्कत
» दिया गया सीओ को आवेदन, मुक्त कराने की मांग

बगहा अनुमंडल अंतर्गत गंडक पार स्थित भितहा प्रखंड की भुईधरवा एवं मच्छहां पंचायत होते हुए बांसी नदी तक जाने वाली मुख्य नाला का लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है। जिसको अतिक्रमण मुक्त करने के लिए इन दोनों पंचायत के दर्जनों लोगों ने गुरुवार को अंचल मुख्यालय पहुंचकर सीओ को एक आवेदन सौंपा। जिसमें लोगों ने इस मुख्य नाला को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है। ग्रामीण दिग्विजय तिवारी, रवींद्र मिश्र, हरेश साह, लालबदन गुप्ता, अब्दुल गफ्फार, सोमनाथ पाठक,विद्या तिवारी सहित अन्य ने संयुक्त रूप से सीओ को दिए गए आवेदन में बताया है कि भितहा के भुईधरवा एवं मच्छहां पंचायत होते हुए बांसी नदी तक एक मुख्य नाला जाता है। जिस नाले से बरसात का पानी बांसी नदी में चला जाता है। लेकिन इन दोनों पंचायत के कुछ लोगों ने नाला को मिट्टी से भरकर अतिक्रमण कर लिए है। जिसके कारण नाला से बरसात का पानी नहीं निकल रहा है। लोगों ने बताया कि इसके पहले भी आवेदन दिया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई अभी तक नहीं हुई।

विधानसभा चुनाव को लेकर हुई बैठक में बनी रणनीति

बीएनएम। लखीसराय

» डीएम की अध्यक्षता में सभी कोषांगों की समीक्षा
» स्ट्रांग रूम से लेकर बूथ तक की तैयारियों पर हुई चर्चा

जिला समाहरणालय स्थित मंत्रणा कक्ष सभागार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी कोषांगों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र ने की। उन्होंने सभी प्रभारी पदाधिकारियों, नोडल पदाधिकारियों, ERO और कोषांग प्रमुखों के साथ चुनाव पूर्व की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बाजार समिति परिसर में स्ट्रांग रूम का निर्माण किया जाएगा, जबकि मतगणना के लिए पोलिटेक्निक कॉलेज को प्रस्तावित किया गया है। वाहन कोषांग की जिम्मेदारी भी स्ट्रांग रूम संचालन में सहायक भूमिका में रहेगी।

कार्मिक की भारी जरूरत, 12 हजार कर्मियों की आवश्यकता

कार्मिक कोषांग के माध्यम से बताया गया कि चुनाव कार्यों के लिए लगभग 12 हजार कर्मियों की जरूरत है, परंतु अब तक केवल 4 हजार कर्मियों की व्यवस्था हो सकी है। वहीं 80 सेक्टर पदाधिकारियों की आवश्यकता की बात कही गई। इस दिशा में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

संवेदनशील बूथों की होगी पहचान

बैठक में बूथों की संवेदनशीलता पर भी चर्चा की गई। डीएम ने निर्देश दिया कि संवेदनशील और अति संवेदनशील बूथों की सूची शीघ्र तैयार की जाए। इसके लिए मोबाइल व टेक्नोलॉजी के माध्यम से त्वरित जानकारी एकत्र की जाए ताकि जातीय या सामाजिक आधार पर संभावित विवाद से पहले ही निपटा जा सके। प्रशिक्षण कोषांग द्वारा बताया गया कि मतदान से पहले सभी कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला स्थापना दिवस के मौके पर EVM और VVPAT की डमी शीट के साथ एक इलेक्शन स्टॉल भी लगाया जाएगा। इसका दायित्व नीरज कुमार को सौंपा गया है। मतदाता स्वीप कोषांग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि डे-टू-डे कार्यक्रम बनाकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। सभी को शपथ दिलाई जाएगी और जो लोग मतदान में भाग नहीं लेते, उन्हें प्रेरित कर मतदान केंद्र तक लाया जाएगा। सूर्यगढ़ा समेत विभिन्न प्रखंडों में सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों के जरिए चुनावी माहौल बनाने का निर्देश दिया गया है।

फोर्स तैनाती पिछली रिपोर्ट के आधार पर

विधि-व्यवस्था कोषांग द्वारा बताया गया कि पिछले वर्ष के रिपोर्ट के आधार पर फोर्स की तैनाती की जाएगी। किसी भी असामान्य स्थिति से निपटने के लिए विशेष टीम गठित की जा रही है। बैठक में डीडीसी सुमित कुमार, एसपी अजय कुमार, निर्वाचन सहायक पदाधिकारी राहुल कुमार, आपदा प्रभारी शशि कुमार, डीटीओ मुकुल पंकज मणि, एडीएम सुधांशु शेखर, सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सुलभ, पारदर्शी और समावेशी न्याय सबकी जरूरत

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई का यह कहना कि न्यायिक निर्णय लेने में प्रौद्योगिकी को मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं लेना चाहिए अत्यंत विचारणीय तथ्य है, प्रौद्योगिकी मानव मस्तिष्क का स्थान भला कैसे ले सकती है जबकि उसकी भूमिका सहायक से अधिक नहीं हो सकती। न्यायमूर्ति गवई लंदन विविद्यालय से संबद्ध स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में 'भारतीय कानूनी पणाली में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उनका यह कहना बिल्कुल उचित है कि स्वचालित वाद सूचियों, 'डिजिटल कियोस्क और आभासी सहायकों जैसे नवाचारों का स्वागत किया जा सकता है। पर विवेक, सहानुभूति और न्यायिक व्याख्या बेशकीमती हैं। प्रौद्योगिकी इनका स्थान कभी नहीं ले सकती। भारत के पास तकनीकी दक्षता, दूरदर्शिता और लोकतांत्रिक जनादेश है, जिससे समानता, सम्मान और न्याय के हमारे मूल्यों को प्रतिबिंबित करने वाली पणालियां विकसित की जा सकती हैं। प्रधान न्यायाधीश का पद ग्रहण करते ही न्यायमूर्ति गवई ने न्यायपालिका में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उभरती प्रौद्योगिकियों के नैतिक उपयोग पर उच्चतम न्यायालय के अनुसंधान और योजना केंद्र के साथ चर्चा की शुरुआत की थी। प्रधान न्यायाधीश की इस बात से सहमत हुए बिना नहीं रहा जा सकता कि प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवीय विवेक का स्थान लेने के लिए न किया जाए। हालांकि कुछ मामलों में न्यायपालिका ने प्रौद्योगिकी को अपनाना शुरू किया है, लेकिन एआई के इस्तेमाल के मामले में केस प्रबंधन से लेकर कानूनी अनुसंधान, और दस्तावेज के अनुवाद तक भरपूर सावधानी जरूरी है। दुनिया भर में कानूनी पणालियों में एआई के नैतिक उपयोग पर गंभीर बहस चल रही है। एल्गोरिदम संबंधी पूर्वाग्रह, गलत सूचना, आंकड़ों में हेरफेर और गोपनीयता जैसे मामलों ने सबकी चिंता बढ़ाई हुई है। पीड़ित की पहचान उजागर होने का खतरा भी बना रहता है। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल नहीं है। दूसरे, एआई उपकरणों के उचित विनियमन और निगरानी के अभाव में वे मनगढ़ंत उद्धरण या पक्षपातपूर्ण सुझाव दे सकते हैं। न्याय तक पहुंच केवल न्यायपालिका की जिम्मेदारी नहीं है।

बुजुर्गों के साथ हदें पार करता हुआ दुर्व्यवहार -समाज व सरकार द्वारा संज्ञान लेकर सख़्त कार्रवाई करना ज़रूरी हो गया है

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के देशों में विशेष रूप से भारत में माता-पिता बड़े बुजुर्गों को हमेशा भगवान ईश्वर अल्लाह का रूप दिया जाता रहा है,जिसका सटीक रूप भगवान राम, श्रवण जैसे अनेकों उदाहरण मौजूद है परंतु मुझे आज के युग में ऐसा महसूस हो रहा है कि यह सब अब कहानीयाँ व भूला बिसरा इतिहास बनता जा रहा है क्योंकि आज माता-पिता बड़े बुजुर्गों को सम्मान की बातें विलुप्तता की ओर चल पड़ी है। मैं आज यह बातें इसलिए कर रहा हूं क्योंकि आधुनिक युग में हम अनेकों पिताओं के नोटिस प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भेजतेहैं कि इन्होंने अपनी औलाद को संपत्ति से बेदखल कर दिया है या फिर औलाद के द्वारा अपमान करने व खर्च नहीं देने के केस डालने सहित बुजुर्गों के साथ अनेकों समस्याएं बढ़ गई है कम से कम मैं तो प्रैक्टिकल में देखते ही रहता हूं व कोशिश करता हूं कि उनकी कुछ हेल्प कर सकूं जो आज के युवाओं को दिलों दिमाग में बैठाकर रेखांकित करना होगा कि जिस मां-बाप व बड़े बुजुर्गों ने उन्हें पाल-पोस्कर रोजगार पर लगाकर इस लायक बनाया है, कि वह ठसके के साथ जिये, परंतु आज नतीजा उल्टा हो गया है कि जिन्होंने उनको आज ठसके के लायक बनाया आज उनको ही ठस्का दिखाकर घर से देखा बेदखल कर या रोज अपमान करते रहने की बात इन शब्दों के साथ आ रही है कि,बुढ़ऊ तुमको क्या समझता है? दुनियाँ बदल गई है, तुम कुछ नहीं कर सकते, तुम चुपचाप बैठो, यह अपमान व जहर भरे शब्दों से की गई बातों का प्रचलन बढ़ गया है, यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि 15 जून 2025 को हम विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मना रहे हैं, इसलिए आओ हम मिलकर युवाओं को जागरूक करें कि यह बड़े बुजुर्ग ही तुम्हारे भगवान ईश्वर अल्लाह है। चूँकि बुजुर्गों के साथ हदें पार करता हुआ दुर्व्यवहार-समाज व सरकार द्वारा संज्ञान लेकर सख़्त कार्रवाई करना ज़रूरी हो गया है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आज के युग में बुजुर्ग अपने ही घर परिवार वालों व औलाद से अपेक्षाकृत अधिक दुर्व्यवहार का डंक सहन कर चुप बैठे हैं जो,घर-घर की कहानी बनते जा रही है। साथियों बात अगर हम इस आधुनिक युग में विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 15 जून 2025 की करें तो सबसे पहले मैं भारत में बुजुर्गों को उपलब्ध कानूनी सहायता के बारे में जानकारी देना चाहूंगा।सुप्रीम कोर्ट ने बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए कई नियम बनाए हैं, जिनमें प्रमुख है कि यदि बुजुर्गों की देखभाल न की जा रही हो या वे प्रताड़ना का शिकार हो रहे हों तो माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत ट्रिब्यूनल बच्चों या रिश्तेदारों को घर से निकालने का आदेश दे सकता है, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि यह अधिकार कानून की धारा 23(2) में निहित है, जिसके तहत बुजुर्ग संपत्ति से भरण-पोषण का हकदार होता है, और यदि वह संपत्ति किसी को ट्रांसफर कर दे तो यह हक नए मालिक पर भी लागू होता है।1 भरण-पोषण का अधिकार-- यदि कोई बुजुर्ग अपनी आय या संपत्ति से अपने खर्च नहीं उठा पा रहे हैं, तो वे अपने बच्चों, बहू या सौतेले बच्चों से भरण-पोषण की मांग कर सकते हैं।यह अधिकार उन्हें "माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007" के तहत प्राप्त है।कोई भी माता- पिता,चाहे वे जन्मदाता हों या सौतेले, यहां तक कि जिनके कोई संतान नहीं है, वे भी यह दावा कर सकते हैं। 2 संपत्ति वापसी का अधिकार-अगर किसी ने बुजुर्ग की संपत्ति धोखे से हड़प ली है या उन्हें गलत तरीके से हटाया गया है, तो वे इसे न्यायाधिकरण या सिविल कोर्ट के माध्यम से वापस पा सकते हैं।यदि संपत्ति बच्चों को केवल सेवा और देखभाल की शर्त पर दी गई थी, और वे उस दायित्व को पूरा नहीं कर रहे, तो बुजुर्ग कानूनी रूप से संपत्ति वापस ले सकते हैं। 3 दुर्व्यवहार के खिलाफ शिकायत का अधिकार-मारपीट, अपशब्द, मानसिक प्रताड़ना, इलाज से इनकार या आर्थिक शोषण, ये सभी कानूनी अपराध हैं। बुजुर्ग बुजुर्ग न्यायाधिकरण, जिला मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने में लिखित शिकायत कर सकते हैं। शिकायत के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता और प्रक्रिया सरल है।

संविधान और कानून भी बुजुर्गों के साथ-हमारे संविधान में भी बुजुर्गों की रक्षा के प्रावधान हैं:

(1) अनुच्छेद 2- हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार

(2) अनुच्छेद 41- सरकार बुजुर्गों के कल्याण की नीति बनाए।

(3) एचएएमए अधिनियम 1956 की धारा 20- संतान अपने माता- पिता की देखभाल करने को बाध्य है

(4) माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 लागू होना। साथियों बात अगर हम भारत में बुजुर्गों को मिली सुविधाओं की करें तो,भारत में वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए कई कल्याणकारी योजनाएँ हैं। ये योजनाएँ वित्तीय, स्वास्थ्य और सामाजिक जरूरतों को पूरा करने में मदद करती हैं। यहाँ भारत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण योजनाएँ दी गई हैं:, बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम **(एनपीएचसीई):** यह वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। यह निवारक और प्रोत्साहन देखभाल पर ध्यान केंद्रित करता है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम(आई.पी.एस. आर.सी.): वृद्धाश्रमों, डे केयर सेंटरों और मोबाइल चिकित्सा इकाइयों को सहायता प्रदान करता है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना : गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।राष्ट्रीय वयोश्री योजना: वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क शारीरिक सहायता और सहायक उपकरण प्रदान करती है।

वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना: आय सुरक्षा प्रदान करने के लिए बीमा योजना के माध्यम से पेंशन प्रदान करती है।

कर लाभ: वरिष्ठ नागरिकों को आयकर अधिनियम के तहत उच्च छूट सीमा और कर कटौती मिलती है।ये योजनाएं सम्मान, कल्याण और सुरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। इन योजनाओं के बारे में जागरूकता जरूरी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वरिष्ठ नागरिक और उनके परिवार को उनकी जरूरत के मुताबिक सहायता मिल सके।यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक गंभीर मुद्दा है जो दुनिया भर में लाखों बुजुर्गों को प्रभावित करता है। यह दिन देखभालकर्ताओं, परिवारों और समुदायों को बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को पहचानने, रिपोर्ट करने और रोकने के बारे में शिक्षित करने का समर्थन करता है।यह दिवस यह सोचने का अवसर है कि हम अपने बुजुर्ग नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। आइए हम उनका सम्मान करने, उनकी रक्षा करने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लें। एक ऐसा समाज जो अपने बुजुर्गों को महत्व देता है, वह वास्तव में दयालु होता है। साथियों बात अगर हम विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाने की करें तो, यह दुनिया भर में बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता फैलाने का दिन है। कई बुजुर्ग वयस्कों को दुर्व्यवहार और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है, जो अक्सर छिपा रहता है।यह दिवस परिवारों, समुदायों और सरकारों को वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह दिवस एक बेहद परेशान करने वाले लेकिन अक्सर नज़र अंदाज़ किए जाने वाले मुद्दे को संबोधित करने के लिए वैश्विक स्तर पर कार्रवाई करने का आह्वान करता है: बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण। यह दिन जागरूकता फैलाता है कि हर किसी को इस समस्या को समझना चाहिए और बुजुर्गों के लिए एक सम्मानजनक और सहायक वातावरण बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों क़े सम्मान में दो शब्द बोलने की करें तो, किस्मत वाले होते हैं वह लोग जिनके सिर पर बुजुर्गों का हाथ होता है, वह घर घर नहीं रहता जहां कोई बुजुर्ग नहीं रहता, बुजुर्गों का आशीर्वाद अंणखुट खजाना है, घर में बुजुर्ग खुशी से हंसते हुए मिलते तो समझ लेना तुम से अमीर इस दुनिया में कोई नहीं !साथियों यह है हमारे बड़े बुजुर्गों का सम्मान! उनकी हुजूरी की खनक! जिसमें हमारा घर परिवार, गांव, शहर खुशहाली से हरा भरा रहता है, गमों की कोई सिलवट नहीं होती क्योंकि हमारे बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद, उनकी खुशी, दुआ हमारे लिए वह अंणखुट ख़ज़ाना है जिसके सामने सांसारिक मायावी खजाना कुछ नहीं है क्योंकि हमारी हजारों वर्षों पूर्व की संस्कृति नें ही हमें सिखाया है, बड़े बुजुर्गों की सेवा उनका सम्मान के तुल्य इस सृष्टि में कोई पुण्य और आध्यात्मिक सुख नहीं!

सूडोकु नवताल- 7466

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7465 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

चेतना के दो रूप हैं कैलाश और केदार

कैलाशी पीयूष शर्मा

हर साल जून का महीना उत्तराखंड त्रासदी के जख्म हरे कर जाता है। 16 जून 2013-यह एक ऐसा कालखंड है, जिसे स्मरण करते ही हिमालय की शांत घाटियां सिसकियां भरती प्रतीत होती हैं और पवित्र नदियां अपने प्रवाह में एक गहरी वेदना लेकर बहती हैं। उत्तराखंड की इस त्रासदी ने हजारों श्रद्धालुओं, यात्रियों, ग्रामीणों और जीवन से भरे घाटियों को चिर शांति में लीन कर दिया। यह केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं थी, यह उस चेतावनी का रूप थी जिसे प्रकृति ने हमें चेतने के लिए भेजा था। मैं स्वयं उस समय कैलाश मानसरोवर यात्रा पर था। यह यात्रा उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल से होकर निकलती है-अल्मोड़ा, धारचूला, नारायण स्वामी आश्रम से होते हुए भारत-नेपाल की सीमा रेखा काली नदी के किनारे-किनारे चलते हुए यात्री लिपुलेख दर्रे को पार कर तिब्बत (अब चीन-शासित क्षेत्र) की ओर बढ़ते हैं, जहां श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के पावन धाम कैलाश पर्वत के दिव्य दर्शन के साथ परिक्रमा लगाते हैं फिर ब्रह्मा जी के मानस से निर्मित पवित्र मानसरोवर झील में स्नान कर हवन-पूजन कर अपने आप को धन्य अनुभव करते है। किंतु उसी समय 15 जून की रात्रि से ही गढ़वाल मंडल की केदार घाटी में भीषण त्रासदी प्रकट हो रही थी। मूसलधार बारिश, बादल फटने और भूस्खलनों ने वहां का पूरा जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया था। हजारों श्रद्धालु असमय काल के ग्रास बने। असंख्य परिवार उजड़ गए। और उस तीर्थभूमि ने रक्त और आंसू का ऐसा संगम देखा, जिसे कोई शब्द पूर्णतः व्यक्त नहीं कर सकता। हमारा जत्था हिमालय की ऊंचाइयों में था। मौसम की मार से रास्ते बंद हो गए थे। संपर्क कट चुका था और आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति भी बाधित हो चुकी थी। बाद में वायुसेना के वीरों ने हमें हेलीकॉप्टरों से सुरक्षित निकाला। लेकिन उस संकट की घड़ी में, पूज्य गुरुजी की एक सीख गूंजती रही-"पहाड़ पर पहाड़ जैसे रहना, जैसा वह रखे वैसा रहना।" इसने हमें संयम, श्रद्धा और संकल्प के साथ परिस्थिति को स्वीकारने और आनंद के साथ जीने की शक्ति दी। कैलाश यात्रा अपने आप में केवल एक तीर्थयात्रा नहीं है-यह आत्मा की यात्रा है। यह रोमांच से अधिक आत्मसमर्पण की यात्रा है। जहां सांसें थम जाती हैं, वहीं ध्यान जागता है। हिमालय की गोद में शिव स्वयं उपस्थित हैं-वटवृक्ष नहीं, ऊंचे पर्वत ही उनके आसन हैं। यहां मनुष्य को अपने सबसे सूक्ष्म रूप में अपने आप से साक्षात्कार होता है। उत्तराखंड की संस्कृति हिमालय जितनी ही ऊंची और नदियों जितनी ही गहराई लिए होती है। यहां के गांवों में लोकगीतों में शिव बसते हैं, और यहां की स्त्रियां दुर्गा की तरह श्रमशील और शक्तिशाली होती हैं। यहां के बच्चे भी गाय-भेड़ें चराते हुए नंदा देवी की कहानी सुनाते हैं। यह केवल भौगोलिक भूमि नहीं, यह देवभूमि है-जहां प्रकृति और परमात्मा दोनों का साक्षात्कार होता है। 2013 की आपदा ने हमें यह सिखाया कि प्रकृति के साथ संतुलन ही उत्तर है। यदि हमने अपने पहाड़ों को, नदियों को, और पर्वतीय जीवनशैली को नहीं समझा, तो यह सौंदर्य विनाश का कारण बन सकता है। आज हम उन सभी श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जो केदार घाटी की त्रासदी में कालवश हो गए। वे तीर्थ यात्री नहीं, हमारे सनातन विश्वास के वीर सैनिक थे, जिन्होंने परम पथ की ओर यात्रा करते हुए देह का त्याग किया। और साथ ही, यह भी प्रण लें कि हिमालय की गोद में बसे इस प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित रखें। विकास के नाम पर विनाश की राह न चुनें। यात्राओं को श्रद्धा और संयम से करें। पर्यावरण के नियमों और स्थानीय संस्कृति के साथ समन्वय बनाकर आगे बढ़ें। कैलाश और केदार दोनों एक ही चेतना के दो रूप हैं। एक मौन तपस्या है, दूसरा प्रकट करुणा। और दोनों हमें यही सिखाते हैं-जो गया है, वह भी शिव में लीन हुआ है। और जो बचा है, वह भी शिव की इच्छा से ही बचा है। ॐ नमः शिवाय। ॐ शांति! शांति!! शांति!!! दुर्भाग्य से केदारनाथ त्रासदी में मारे गए लोगों की पहचान 12 साल बाद भी रहस्य बनी हुई है। बड़ा रहस्य उन 702 लोगों की पहचान का है, जिनके डीएनए नमूनों की रिपोर्ट पुलिस के पास है। आपदा में लापता हुए अपनों की पहचान के लिए 6000 से अधिक लोगों ने अपने डीएनए नमूने लैब को दिए थे। इनमें से भी इन 702 लोगों की पहचान नहीं हो पाई। ऐसे में अब इन डीएनए नमूनों का अपनों के लिए इंतजार बढ़ता जा रहा है। भारत में सदी की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक 2013 केदारनाथ त्रासदी में देश के हजारों परिवारों ने अपनों को खोया था। पुलिस ने कई हजार लोगों को बचाया भी था, लेकिन केदार घाटी और आसपास के इलाकों में वर्षों तक शव और उनके हिस्से पुलिस को मिलते रहे हैं। सैकड़ों शवों और कंकालों का पुलिस ने ही अंतिम संस्कार कराया था।आज भी कहीं-कहीं कंकाल और अवशेष मिलते रहते हैं।

मेष राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जायेगा। आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे। आज आपकी रुचि अध्यात्म में रहेगी। कारोबार और परिवार में बैलेंस बना रहेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी का सहयोग मिलेगा इससे आपको काम करने में आसानी होगी। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से कोई सलाह मिलेगी। आज किसी पुराने मित्र से- मुलाकात, आपको ख़ुशी देगी।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायेंगे रखेंगे आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नज़र आएंगी। आपका मिलनसार व्यवहार आपको लोगों का प्रिय बना देगा। आपके विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैलाने का काम कर सकते हैं आप उनको नजरंदाज करें और आगे बढ़ें।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप कुछ समय मनोरंजन सम्बन्धी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किए जा सकते हैं। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा। पिता का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपको अपने काम में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली बनी रहेगी, शाम को कहीं बाहर जाने का प्लान बना सकते हैं। इस राशि के जो लोग बेकरी के बिजनेस से जुड़े हैं उनको आज उम्मीद से ज्यादा लाभ होगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है । आज करीबी दोस्त या रिश्तेदार किसी काम में आपका सहयोग करेंगे। आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज अपनी भावनाओं के साथ दूसरों की भी भावनाओं का ख्याल रखेंगे। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। शाम को दोस्तों के साथ अधिक समय बितायेंगे उनके साथ भविष्य को लेकर विचार करेंगे।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना अच्छा रहेगा। प्रोफेशनल कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव हो सकता है। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा। लोगों के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि ना ले। आज किसी भी प्रकार का अनुचित कार्य आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। पारिवार के वरिष्ठ सदस्यों का अनुभव तथा सहयोग आपके लिए बहुत अधिक लाभदायक रहेगा।

मकर राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे।

कुम्भ राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। सही रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कंफ्यूजन की स्थिति खत्म होगी।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जायेगा, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। अपने जज़्बात क़ाबू में रखें... फायदा होगा ।

डूंगरपुर के लोक में बसा बालिका कालीबाई का बलिदान

रमेश शर्मा

यह घटना उन दिनों की है जब अंग्रेजों ने भारत से जाने की घोषणा कर दी थी और भारत विभाजन की प्रकिया भी आरंभ हो गई थी। लेकिन अंग्रेज जाते जाते कुछ ऐसा करके जाना चाहते थे चर्च की जमाशट पर कोई अंतर न आये और न उनकी कोई सांस्कृतिक परंपरा प्रभावित हो। इसके लिये उनके कुछ स्लीपर सेल सक्रिय थे जो देशभर में काम रहे थे। इसी षड्यंत्र में इस बालिका का बलिदान हुआ। कालीबाई एक तेरह वर्षीय वनवासी बालिका थी। यह राजस्थान के डूंगरपुर जिले के वनांचल की रहने वाली थी । कालीबाई का जन्म कब हुआ इसका इसका उल्लेख कहीं नहीं मिलता । अनुमानतः कालीबाई का जन्म जून 1934 माना गया। अंग्रेजीकाल में चर्च ने वनवासी अंचलों में अपने विद्यालय आरंभ करने का अभियान चलाया हुआ था। जिनका उद्देश्य वनवासी समाज को उनके मूल से दूर करना था। उनकी शिक्षा की शैली कुछ ऐसी थी कि वनवासी क्षेत्र में मतान्तरण तेजी से होने लगा था । उस समय के अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और सामाजिक सांस्कृतिक संगठन इसके लिये चिंतित थे। विशेषकर ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जो आर्यसमाज या राम-कृष्ण मिशन से जुड़े हुये थे उनमें यह भाव अधिक प्रबल था। राजस्थान में स्वामी दयानन्द सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के बहुत प्रवास हुये थे इसलिये राजस्थान क्षेत्र में इन दोनों संस्थाओं का प्रभाव था । सुप्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी नानाभाई खांट आर्यसमाज से जुड़े थे। उन्होंने डूंगरपुर जिले के रास्तापाल गांव में एक विद्यालय आरंभ किया। विद्यालय में वनवासी बच्चों की शिक्षा का प्रबंध किया गया था । विद्यालय में उस समय की आधुनिक शिक्षा तो दी जाती थी पर भारतीय गुरु शिष्य परंपरा को भी जीवंत किया था। विद्यालय ने शाम को एक प्रार्थना सभा का आरंभ भी किया। जिसमें वनवासी परिवार भी आने लगे। इस विद्यालय में मुख्य शिक्षक सेंगाभाई थे। वनवासी बालिका कालीबाई भी यहां पढ़ने आती थी । यह भील समाज से संबंधित थी। उसकी आयु अनुमानित तेरह वर्ष थी। यह क्षेत्र डूंगरपुर रियासत के

अंतर्गत आता था। आर्यसमाज ने विद्यालय आरंभ करने की अनुमति महारावल डूंगरपुर से ले ली थी। इस क्षेत्र में एक चर्च भी सक्रिय था। इस विद्यालय और उसकी गतिविधि से वनवासी समाज चर्च से दूर होने लगा। चर्च को आपत्ति हुई। चर्च ने कमिश्नर को शिकायत की। अंग्रेजों ने भले भारत से जाने की घोषणा कर दी थी पर उनकी पूरी प्रशासनिक व्यवस्था और रियासतों पर रुतबा कम न हुआ था। शिकायत मिलते ही कमिश्नर ने डूंगरपुर के महारावल पर दबाब बनाया और विद्यालय बंद करने के आदेश हो गये। आदेश मिलते ही नानाभाई ने विद्यालय तो यथावत रखा और उन्होने महाराज से मिलने का प्रयास किया लेकिन अनुमति न मिली। मिलने का समय टाला गया। नानभाई को आशा थी महाराज से मिलने के बाद अनुमति यथावत हो जायेगी, इसलिये विद्यालय बंद न हुआ । वे यह भी जानते थे कि अंग्रेज तो जाने वाले हैं। तब चर्च और अंग्रेज अधिकारियों के आगे क्यों झुकना। उनके इनकार करने से अधिकारी बौखला गये । भारी पुलिस बल के साथ अधिकारी विद्यालय पहुंचे। वे ताला लगाकर विद्यालय सील करना चाहते थे । किन्तु शिक्षक सेंगाभाई ने विद्यालय के द्वार पर खड़े होकर रास्ता रोकना चाहा। पुलिस ने पकड़ कर किनारे किया और विद्यालय पर ताला लगा दिया । शिक्षक सेंगाभाई को रस्सी से गाड़ी के पीछे बांध दिया गया। गाड़ी रवाना हुई तो शिक्षक सेंगाभाई घसीटते हुये जा रहे थे । उनका पूरा शरीर लहूलुहान हो गया । रास्ते में कालीबाई खेत में काम कर रही थी । उसने देखा कि उनके गुरु को पुलिस गाड़ी में पीछे बांधकर घसीटते हुये लेकर जा रही है। कालीबाई के हाथ में हंसिया था । वह हंसिया लेकर दौड़ी और रस्सी काट दी। पुलिस इससे और बौखला गई। पुलिस ने गोलियां चला दीं। पुलिस की गोली से कालीबाई का शरीर छलनी हो गया। गोली की आवाज सुनकर भील समाज एकत्र हो गया। सबने शिक्षक की दुर्दशा और अपनी बेटी का शव देखा। पूरा भील समाज आक्रोशित हो गया और पुलिस दोनों को छोड़कर भाग गई। कालीबाई का बलिदान मौके पर ही हो गया था।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

शुभमन की कप्तानी में बेहतर शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

लीड्स। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरेगी। इस मुकाबले से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीस) 2025-27 के चक्र की भी शुरुआत होगी। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। इस सीरीज में भारतीय टीम विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरेगी ऐसे में टीम में शामिल युवाओं के पास अपने को साबित करने का अच्छा अवसर रहेगा। ऐसे में ये सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए भी एक नए युग की तरह होगी। इस मैच में शुभमन के अलावा शस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। सात साल बाद वापसी कर रहे करुण नायर के अभ्यास सत्र में चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के बास रहेगी। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज उनका साथ देंगे। स्पिन की कमान कुलदीप यादव के पास रहेगी। वहीं पिच की बात करें तो हेडिंग्ले की पिच अपने उछाल और तेजी के लिए जानी जाती है। वहीं पिच क्यूरेटर रॉबिन्सन का कहना है कि वह चाहते हैं मैच पूरे पांच दिन तक चले। उनका उद्देश्य यह है कि पिछली बार की तरह तीन दिन में खेल खत्म न हो इसलिए ऐसे पिच बनायी गयी है जिसपर

शॉट खेले जा सकें। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जो भी टीम पहले बल्लेबाजी करेगी वह करीब 300 रन बना सकेगी। मौसम विभाग ने भी गर्मी की संभावना जताई है, जिससे बल्लेबाजों को सहायता मिल सकती है। हालांकि पिच फिलहाल हरी-भरी दिख रही है, जिससे शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है। आंकडों पर नजर डालें तो यहां अब तक 81 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें से 37 मैच मेजबान टीम ने जीते हैं। विदेशी टीमों को यहां 25 बार जीत मिली है जबकि 18 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। यहां दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम को ज्यादा सफलता मिली है। वहीं पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जहां 29 बार जीत हासिल की, वहीं दूसरी पारी में खेलने वाली टीम ने 34 बार जीत दर्ज की है। इस मैदान पर अब तक का सबसे अधिम स्कोर 653/4 और सबसे कम स्कोर 61 रन रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच यहां अब तक कुल 136 टेस्ट मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को केवल 35 मैचों में जीत मिली है, जबकि इंग्लैंड ने 51 मुकाबले जीते हैं व 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। यहां पर भारतीय टीम का रिकॉर्ड काफी खराब रहा है और उसे 67 मैचों में से केवल 9 टेस्ट में ही जीत मिली है। इस बार भारतीय टीम टीम युवा निडर होकर उतरेगी पर इंग्लैंड के हालातों में खेलना आसान नहीं होता है। अब देखना है कि टीम किस प्रकार से खेलती है। वहीं दूसरी ओर बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली मेजबन टीम को हालातों का लाभ मिलेगा उसके पास जो रुट हैरी ब्रुक और बने डकेट जैसे बल्लेबाज हैं हालांकि टीम के अनुभवी गेंदबाज चोटिल हैं जिससे उसकी गेंदबाजी कमजोर हुई है। जिसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। उसकी क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर पर टिकी रहेगी इंग्लैंड ने जहां अपनी अंतिम ग्यारह टीम घोषित कर दी है। वहीं भारतीय टीम मैच से पहले ही अंतिम ग्यारह की घोषिता करेगी।

इंग्लैंड की एकादश : जैक क्रॉउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारतीय : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

श्रेयस होते तो भारतीय टीम के लिए बदलाव का सामना करना आसान होता : नाइट

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज निक नाइट ने भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें टीम में रखा जाना चाहिये था। नाइट के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के नहीं होने से बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम को श्रेयस के रहने से लाभ होता। नाइट के अनुसार श्रेयस एक अच्छे बल्लेबाज जो जो मध्यक्रम को संभाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरे में भारतीय टीम ने चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को शामिल कर टीम किया है। वह टीम के लिए एक्स फैक्टर साबित होंगे। अय्यर के टीम का हिस्सा नहीं होने के कारण नाइट को कुलदीप और युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। सुदर्शन के लीड्स में पहले टेस्ट में डेब्यू करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज लोकेश राहुल को इस दौरे में अहम जिम्मेदारी संभानली होगी। उनके ऊपर एक प्रकार से बल्लेबाजी टिकी होगी। उनके अलावा एक दो खिलाड़ियों को छोड़ दें तो अन्य सभी बल्लेबाज नये हैं और उनके पास अनुभव नहीं है। ऐसे में शीर्ष क्रम को बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी जिससे कि मध्यक्रम पर दबाव न आये। साथ ही कहा कि अगर भारतीय टीम को ये सीरीज जीतनी है तो उसके गेंदबाजों को 20 विकेट लेने होंगे। भारतीय टीम साल 2007 के बाद यहां एक भी सीरीज नहीं जीती है। ऐसे में उसके लिए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है नाइट ने इस बात पर भी जोर दिया कि अगर भारत को 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज जीतने है तो 20 विकेट लेना अहम होगा। इंग्लैंड के लिए 17 टेस्ट और 100 एकदिवसीय मैच खेलने वाले 55 साल के नाइट नहीं चाहते कि भारत अपनी बल्लेबाजी को मजबूत के लिए गेदंबाजी से समझौता करे।

करुण नायर की टेस्ट टीम में वापसी पर बोले केएल राहुल- "उसकी वापसी वाकई काबिल-ए-तारीफ है"

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुक्रवार से शुरू होने जा रही है। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने वाले बल्लेबाज केएल राहुल और करुण नायर एक बार फिर भारत की टेस्ट जर्सी में नजर आएंगे। उनके साथ स्पिनर कुलदीप यादव भी इस विदेशी दौरे पर टीम का हिस्सा होंगे। आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले केएल राहुल ने अपने पुराने साथी करुण नायर की टीम में वापसी को लेकर खुशी जताई है। करुण नायर पूरे आठ साल बाद भारतीय टेस्ट टीम में लौटे हैं और राहुल ने उनके संघर्ष व मेहनत की सराहना की। उन्होंने एक बयान में कहा, "हमने 11 साल की उम्र में साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया था और तब से यह सफर साथ चला है। दोनों के करियर में उतार-चढ़ाव आए। करुण को मौका मिला, उन्होंने तिहरा शतक जड़ा,

लेकिन इसके बाद उन्हें कई वजहों से मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पर जो बात सबसे ज्यादा प्रेरणादायक रही, वो यह है कि पिछले 2-3 सालों में उन्होंने जिस तरह से प्रदर्शन किया है, वह काबिल-ए-तारीफ है।" राहुल ने आगे कहा, "उन्हें वापस बुनियादी चीजों पर लौटते देखना अच्छा लगा। हमने इंग्लैंड में उनके काउंटी क्रिकेट खेलने और वहां के अनुभवों पर बात की है वो चुनौतियां, वो संघर्ष। इन सबके बावजूद भारतीय टीम में वापसी की चाह बनाए रखना, अपने आप में सराहनीय है। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों लंबे समय तक भारत के लिए खेल पाएंगे।"

अपनी तैयारी को लेकर भी बोले राहुल- अपनी व्यक्तिगत तैयारी को लेकर केएल राहुल ने बताया, "आईपीएल खत्म होते ही मैंने इंग्लैंड सीरीज की तैयारी शुरू कर दी थी। मैंने अपने कोच से भी बात की ताकि इस चुनौती के लिए खुद को तैयार कर सकूं। इंग्लैंड जाना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है, खासकर जब वे अपने घर में खेलते हैं। हमारी टीम काफी युवा है, ऐसे में यह सीरीज हम सबके लिए परीक्षा की तरह होगी।"

कोहली और रोहित की कमी महसूस करेंगे खिलाड़ी- विराट कोहली और रोहित शर्मा पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर चुके हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल ने कहा, "विराट और रोहित पिछले एक दशक से भारतीय क्रिकेट की नींव रहे हैं। उनका न होना बड़ा खालीपन छोड़ता है। मेरे अब तक के करियर में ऐसा कभी नहीं हुआ कि मैं ऐसी टीम में गया हूं जहां विराट या रोहित न हों।

रवि शास्त्री की शुभमन गिल को सलाह- 'उन्हें अपना समय लेना चाहिए'

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज कल यानी शुक्रवार से शुरु हो रही है। पहला टेस्ट लीड्स में खेला जाएगा। शुभमन गिल के नेतृत्व में एक युवा टीम इस दौरे पर गई है। भारतीय टीम रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के बिना टेस्ट क्रिकेट में उतरेगी। ऐसे में 25 साल के गिल की कप्तानी में भारतीय टीम की यह पहली परीक्षा होगी। इस बीच पूर्व क्रिकेटर और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि बतौर कप्तान गिल के लिए ये टेस्ट सीरीज बिल्कुल भी आसान नहीं होगी। युवा कप्तान को इस चुनौतीपूर्ण भूमिका को निभाने के लिए धैर्य और संयम की जरुरत है। रवि शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के नवीनतम एपिसोड में कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें अपना समय लेना चाहिए। यह आसान नहीं होगा। उन्हें एक कठिन काम करने के लिए कहा गया है जो है इंग्लैंड दौरे पर भारत की कप्तानी करना। गिल ने अपने टेस्ट करियर में अभी 32 मैच ही खेले हैं। उन्होंने दिसंबर 2020 में पदार्पण के बाद से इतने मैचों में 35.05 की औसत से 1893 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की पिचें हमेशा खिलाड़ियों की परीक्षा लेती हैं। ऐसे में देखना होगा कि बतौर कप्तान शुभमन गिल का करियर कैसे शुरू होता है,

वो भी तब जब विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे दिग्गज टीम में नहीं हैं, जिन्होंने टेस्ट से संन्यास ले लिया है। हालांकि, शास्त्री का मानना है कि यह दौरा युवा खिलाड़ी के करियर के लिए महत्वपूर्ण विकासात्मक चरण साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि ये कभी आसान नहीं होता लेकिन मुझे लगता है कि वह इस अनुभव से सीखेगा। मैंने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के साथ खेलते हुए उन्हें देखा, वे बहुत ही शांत और संतुलित नजर आए। उनका स्वभाव बहुत अच्छा है। शास्त्री ने कहा, "वह एक व्यक्ति के रूप में परिपक्व हो गए हैं, उनके साथ कुछ युवा खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि जहां तक शुभमन गिल की बात है तो यह सीखने का एक मौका है।

इंग्लैंड के खिलाफ बुमराह सहित तेज गेंदबाजों को निभानी होगी अहम जिम्मेदारी

मुम्बई। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में शुरुवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों को निर्णायक भूमिका निभानी होगी। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड की उछाल भारी पिचों पर तेज गेंदबाज प्रभावी साबित होते रहे हैं। : पिछले कुछ साल भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन में तेज गेंदबाज की अहम भूमिका रहे । ऐसे में इंग्लैंड में साल 2007 के बाद जीत हासिल करना चाह रही भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह सहित सभी अन्य गेंदबाजों को 20 विकेट लेने होंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टीम की बल्लेबाजी में अनुभव की कमी है। ऐसे में इस कमी को गेंदबाज ही पूरी कर सकते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से लीड्स में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की

शुरुआत होगी जिसमें बुमराह के अलावा मो सिराह , प्रसिद्ध कृष्णा , अर्शदीप सिंह सिंह पर गेंदबाजी की जिम्मेदारी होगी। बुमराह को इसमें आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। बुमराह की गेंदबाजी क्षमता और अनुभव को देखते हुए उनसे टीम को बहुत उम्मीदें हैं। अपनी गति और दिशा को बदलकर वह बल्लेबाजों को हैरान करने में माहिर हैं। बुमराह नई गेंद से विकेट लेने और विपक्षी टीम पर दबाव बनाने का तरीका भी जानते है। हालांकि बुमराह सभी 5 टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे लेकिन उन्की मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी।

व्यापार

लगातार तीसरे दिन गिरा शेयर बाजार, निवेशकों को 1 दिन में लगी 3.70 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। पूरे दिन सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर सेंसेक्स और निफ्टी को कुछ देर के लिए हरे निशान में पहुंचाने में सफलता भी हासिल की, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। बिकवाली के दबाव की वजह से ये दोनों सूचकांक एक बार फिर लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.10 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, रियल्टी और आईटी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसके अलावा बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल इंडेक्स आज 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 442.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 446.28 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,117 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 959 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,018 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 140 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,608 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

इनमें से 505 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,103 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 40.72 अंक फिसल कर 81,403.94 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक 253.62 अंक टूट कर 81,191.04 अंक तक गिर गया। पहले 5 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में खरीदारी का जोर बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक रिकवर करके 139.28 अंक की मजबूती के साथ 81,583.94 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। बाजार की ये मजबूती अधिक देर तक टिक नहीं सकी, क्योंकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि दोपहर 2 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाकर कुछ देर के लिए इस सूचकांक को हरे निशान में लाने में सफलता हासिल की, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स 82.79 अंक की गिरावट के साथ 81,361.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 8.80 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 24,803.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक 24,738.10 अंक के स्तर पर गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे पहले आधे घंटे के कारोबार में ही निफ्टी 51.05 अंक की मजबूती के साथ 24,863.10 अंक तक पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में 3 दिन की गिरावट के बाद चमका सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत

नई दिल्ली। लगातार तीन दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 660 रुपये से लेकर 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में तेजी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,060 रुपये से लेकर 1,01,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,650 रुपये से लेकर 92,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,12,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की

कीमत 92,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

स्टॉक मार्केट में सीमेंस एनर्जी की जोरदार एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा

नई दिल्ली। डीमर्जर के जरिए सीमेंस लिमिटेड से अलग होने वाली उसकी पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री की। इसी साल 7 अप्रैल को हुए डीमर्जर के दिन सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड के शेयर का भाव 2,350 रुपये था। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 2,850 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी एंट्री 2,840 रुपए के स्तर पर हुई। स्टॉक मार्केट में एंट्री करने के बाद शुरुआती कारोबार में ही कंपनी के शेयर उछल कर 2,982 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि, कुछ देर बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली की वजह से कंपनी के शेयर के भाव में गिरावट भी आई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सीमेंस एनर्जी के शेयर 2,735 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह कंपनी के शेयर दिन के ऊपरी स्तर से 247 रुपये टूट गए। इस गिरावट के बावजूद कंपनी के निवेशकों को पहले दिन ही 10.36 प्रतिशत का फायदा हो गया। दावा किया जा रहा है कि सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड अपनी मजबूत स्थिति के कारण आने वाले दिनों में देश की प्रमुख ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन इक्विपमेंट कंपनी बन सकती है। कंपनी के पास पहले से मौजूद ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन से संबंधित वर्क आर्डर और

संचालनगत कुशलता की वजह से 2026-27 तक सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड का ईपीएस (अर्निंग पर शेयर) 40 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ सकता है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि अपने बड़े प्रोडक्ट पोर्टफोलियो की वजह से कंपनी की वैल्यू में लगातार तेजी आने की संभावना बनी हुई है। इसके साथ ही ये कंपनी डीकार्बनाइजेशन, ग्रेड ऑटोमेशन, ईपीसी सर्विसेज, क्लीन एनर्जी सॉल्यूशंस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे फील्ड में काफी काम कर रही है। इसका फायदा इस कंपनी को लगातार मिलने वाला है। ऐसे में आने वाले दिनों में सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड के शेयर मूल्य में तेजी आने की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि, किसी भी निवेशक को निवेश योजना बनाने के पहले अपने निवेश सलाहकार से विचार विमर्श जरूर करना चाहिए।

एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज का आईपीओ 24 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 380-400 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। औद्योगिक एवं चिकित्सा गैस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 24 जून को खुलेगा और गुरुवार, 26 जून को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 380-400 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए मूल्य का दायरा 380-400 रुपये निर्धारित किया गया है। यह आईपीओ ताजा इक्विटी जारी करने और बिक्री के लिए पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इसके लिए निवेशक न्यूनतम 37 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 37 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड

के इस आईपीओ में 400 करोड़ तक के नए निर्गम और पद्म कुमार अग्रवाल द्वारा 56,56,565 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश तथा वरुण अग्रवाल द्वारा 56,56,565 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। कंपनी की योजना इस नए इश्यू से प्राप्त 210 करोड़ रुपये की धनराशि का उपयोग एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान, पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा। कंपनी के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं और केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। उल्लेखनीय है कि एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड कंपनी भारत में सबसे पुरानी संचालित औद्योगिक गैस कंपनियों में से एक है। कंपनी की 50 वर्षों से अधिक की समृद्ध विरासत है।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में करेगा 50 कार्यक्रम

नई दिल्ली। खान मंत्रालय के अधीन भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) 21 जून को राष्ट्रव्यापी भागीदारी के साथ 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) मनाने जा रहा है। जीएसआई इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में 50 कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। खान मंत्रालय ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए देशभर में 50 कार्यक्रमों की तैयारी शुरू कर दी है। इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' को ध्यान में रखते हुए जीएसआई ने अपने कर्मियों और आम जनता के बीच समग्र स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए देशभर में 46 स्थानों पर 50 कार्यक्रमों की योजना बनाई है। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप जीएसआई कोलकाता में अपने

केंद्रीय मुख्यालय, क्षेत्रीय और राज्य इकाई कार्यालयों, 12 भू-विरासत स्थलों, 6 ड्रिलिंग फील्ड कैंपों और 3 प्रशिक्षण केंद्रों पर निर्देशित योग सत्र आयोजित करेगा। इस पहल में जीएसआई कर्मियों, स्कूली छात्रों और स्थानीय समुदायों के सदस्यों सहित 3,000 से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की आशा है। खान मंत्रालय के मुताबिक जीएसआई अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के लिए काउंटडाउन कार्यक्रम में भी भाग लेगा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ इस बार लाइव योग सत्र का आयोजन 20 जून, 2025 को हैदराबाद में होगा।

गोविंद नामदेव के आरोप पर भड़कीं शिवांगी वर्मा, बोलीं- सोशल मीडिया बिग बॉस...

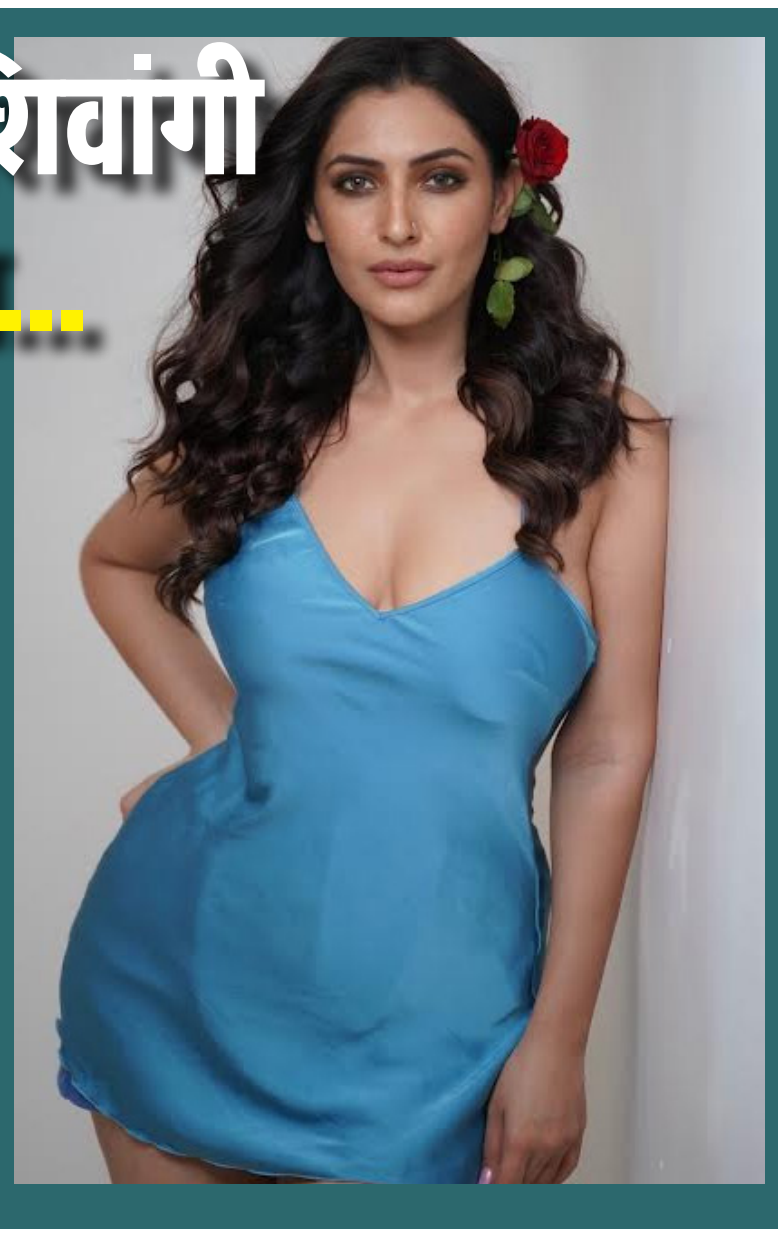

अभिनेत्री शिवांगी वर्मा ने वरिष्ठ अभिनेता गोविंद नामदेव के साथ चल रही विवादास्पद खबरों पर अपनी बात रखी है। गोविंद नामदेव ने हाल ही में दावा किया था कि शिवांगी ने उनकी और अपनी एक तस्वीर बिना अनुमति के सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिससे दोनों के बीच कथित रिश्ते की अफवाहें फैल गईं। शिवांगी ने कहा कि यह तस्वीर उनकी अपकमिंग फिल्म गौरीशंकर गोहरगंज वाले के प्रचार का हिस्सा नहीं थी। इसे फिल्म या किरदार का जिक्र किए बिना पोस्ट किया। शिवांगी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह गोविंद के बयान से हैरान और निराश हैं। उन्होंने बताया, यह एक सामान्य पोस्ट था, जिसे गोविंद जी की सहमति से डाला गया था। उन्होंने खुद कोलैबरेशन रिक्वेस्ट को स्वीकार किया और बाद में पोस्ट हटा दिया। मैं अभिनेत्री हूं और मुझे भी सम्मान चाहिए। सिर्फ इसलिए कि वह वरिष्ठ हैं, वह मुझ पर बेबुनियाद आरोप नहीं लगा सकते। ऐसी अफवाहों से मुझे क्या फायदा होगा? शिवांगी ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अपने करियर पर ध्यान दे रही हैं और एक बड़े प्रोजेक्ट में एक प्रसिद्ध अभिनेता के साथ काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं एक नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूं। मैंने दिसंबर 2024 और मई 2025 में दो बार स्पष्ट किया था कि अफवाहें बेबुनियाद हैं। अब मैं एक बार फिर कहना चाहती हूं कि इनका कोई आधार नहीं है। सोशल मीडिया अब 'बिग बॉस जैसा हो गया है। मैं दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हूं और अपने करियर पर फोकस कर रही हूं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब शिवांगी ने गौरीशंकर गोहरगंज वाले के सेट से एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में लिखा था, प्यार की न उम्र होती है, न सीमाएं। इसने लोगों को गलतफहमी में डाल दिया कि दोनों के बीच रिश्ता है। शिवांगी ने इन अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि यह केवल फिल्म का हिस्सा था और गोविंद उनके लिए पिता के समान हैं।

गोलमाल 5 की रिलीज डेट आउट?, कॉमेडी जोनर में स्त्री 3 समेत इन फिल्मों के नए पार्ट भी जल्द देंगे थिएटर्स में दस्तक

गोलमाल के फैंस अब सातवें आसमान पर जा सकते हैं क्योंकि रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी फेवरेट फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त गोलमाल 5 पर काम चल रहा है. यह अब तक की सबसे लोकप्रिय और सुपरहिट फ्रेंचाइजी में से एक है. कुछ हफ्ते पहले, जॉनी लीवर ने भी गोलमाल 5 पर काम चलने की हिंट दी है. जोनें फिल्म की रोमांचक अपडेट्स के बारे में. रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शेट्टी गोलमाल 5 के लिए अजय देवगन के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार हैं. बता दें यह फिल्म फरवरी/मार्च 2026 तक फ्लोर पर आ जाएगी और 2027 की पहली छमाही में बड़े पर्दे पर आएगी. रोहित शेट्टी फिलहाल मुंबई में जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक की शूटिंग कर रहे हैं और सितंबर 2025 तक इसे खत्म कर देंगे. वे इस साल के अंत तक एडिट को लॉक करने के लिए तैयार हैं, ताकि 2026 की शुरुआत में इसे रिलीज किया जा सके. राकेश मारिया की बायोपिक पर काम पूरा करने के तुरंत बाद, रोहित गोलमाल 5 की तैयारी में लग जाएंगे और इसे फरवरी/मार्च 2026 तक फ्लोर पर ले जाएंगे. दूसरी ओर राइटर्स गोलमाल 5 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहा है जिसे सितंबर 2025 तक लॉक किए जाने की उम्मीद है. रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित गोलमाल सीरीज कुछ दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके किरदार ड्रामा और कॉमेडी से भरपूर हैं. इसकी पहली चार फिल्मों गोलमालः फन अनलिमिटेड (2006), गोलमाल रिटर्न्स (2008), गोलमाल 3 (2010), और गोलमाल अगेन (2017) को दर्शकों का खूब प्यार मिला और अब दर्शक इसकी पांचवीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं. कास्ट की बात करें तो फिल्म में अजय देवगन के साथ अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस तलपड़े और जॉनी लीवर जैसे कलाकार फिर से नजर आएंगे. बाकी की चीजें ऑफिशियल अनाउंसमेंट के बाद सामने आएंगी. अक्षय कुमार और अरशद वारसी दोनों इस फिल्म में एक साथ नजर आएंगे. जिससे कॉमेडी और कोर्ट रूम ड्रामा का मजा दोगुना हो जाएगा. इसे सुभाष कपूर ने लिखा और निर्देशित किया है. यह जॉली एलएलबी सीरीज की तीसरी किस्त और जॉली एलएलबी 2 की अगली कड़ी है. फिल्म में अक्षय कुमार, अरशद वारसी, अमृता राव, हुमा कुरैशी, सौरभ शुक्ला और अन्नू कपूर हैं.यह फिल्म 19 सितंबर 2025 को रिलीज होने वाली है. लोकप्रिय हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त कंफर्म हो चुकी है और इसे अगस्त 2027 में रिलीज किया जाना तय है. यह फिल्म मैडॉक सुपरनैचुरल सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है. इसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना के अपने किरदारों को फिर से निभाने की उम्मीद है. अक्षय कुमार के भी खलनायक के रूप में वापसी करने की पुष्टि हो चुकी है. इसकी कहानी स्त्री 2 के क्लाईमैक्स के आगे की कहानी हो सकती है.

ग्रीन फ्लोरल ड्रेस में मोनालिसा ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान, दुबई वेकेशन से शेयर की स्टनिंग तस्वीर

भोजपुरी सिनेमा की ग्लैमरस क्वीन मोनालिसा इन दिनों दुबई वेकेशन का लुत्फ उठा रही हैं और वहां से अपनी शानदार तस्वीरें शेयर कर रही हैं. हाल ही में मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत फोटो पोस्ट की है जिसमें वह ग्रीन फ्लोरल ड्रेस में नजर आ रही हैं. यह तस्वीर दुबई के एक लग्जरी मॉल की है जहां मोनालिसा बेहद रिफ्रेश और रिलैक्स्ड मूड में दिखाई दे रही हैं. फोटो में मोनालिसा ने डीप नेकलाइन वाली स्लीवलेस ग्रीन ड्रेस पहनी है, जिस पर येलो और ग्रीन फ्लोरल प्रिंट है. खुले बाल, न्यूड मेकअप, लाइट पिंक लिपस्टिक और स्टेटमेंट जूलरी उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं. उन्होंने अपने हाथ पर ब्रैसलेट और उंगलियों में स्टाइलिश रिंग्स पहन रखी हैं. उनकी मुस्कुराहट और कैमरे की तरफ आत्मविश्वास से दिया गया पोज़ फैंस का दिल जीत रहा है. फैंस कमेंट सेक्शन में दिल और फायर इमोजी के साथ उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. किसी ने उन्हें सुंदर दिवा कहा, तो किसी ने लिखा हमेशा की तरह शानदार . इस पोस्ट को अब तक 12 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं. मोनालिसा हमेशा से ही अपने फैशन और स्टाइल स्टेटमेंट को लेकर चर्चा में रहती हैं. चाहे वे ट्रेडिशनल आउटफिट्स हों या वेस्टर्न, हर लुक में वह अपना यूनिक चार्म लेकर आती हैं. दुबई वेकेशन की यह तस्वीरें एक बार फिर यह साबित करती हैं कि मोनालिसा न सिर्फ एक बेहतरीन अदाकारा हैं, बल्कि एक ट्रेंडसेटर फैशन आइकन भी हैं.

फिल्म मां का नया गाना काली शक्ति जारी, राक्षस से भिड़ती दिखीं काजोल

काफी समय से अभिनेत्री काजोल फिल्म मां को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अब इससे पहले निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना काली शक्ति जारी कर दिया है, जिसे उषा मिन्नी और सामी उत्थुप ने मिलकर गाया है। गाने में काजोल जबरदस्त डांस करती दिख रही हैं। वह अपनी बेटी को बचाने के लिए एक राक्षस से भिड़ती नजर आ रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है, जो छोरी और छोरी 2 जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। मां को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने मिलकर बनाया है। काजोल के साथ इस फिल्म में बाल कलाकार खीरिन शर्मा नजर आएंगी, जो इसमें उनकी बेटी बनी हैं। फिल्म में काजोल के अलावा इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय और जितिन गुलाटी जैसे कलाकार भी अहम किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नवजात शिशु के लिए कपड़े खरीदते समय इन 4 बातों का रखें ध्यान

नवजात शिशु के लिए कपड़े खरीदते समय आपको कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। उनकी त्वचा मुलायम होती है, जिस कारण उन्हें ऐसे कपड़े पहनाने चाहिए, जो आरामदायक और हल्के हों। कपड़े खरीदते समय आपको उनकी गुणवत्ता और बनावट पर भी खास ध्यान देना चाहिए। सही कपड़े न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि बच्चे की त्वचा की देखभाल भी करते हैं। आज के फैशन टिप्स में जानिए बच्चों के कपड़े लेते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सूती कपड़ा चुनें

नवजात शिशु के लिए कपड़े खरीदते समय उनकी गुणवत्ता पर ध्यान देना सबसे जरूरी होता है। सूती कपड़े उनके लिए सबसे अच्छे रहते हैं, क्योंकि वे नरम और आरामदायक होते हैं।

सूती कपड़े त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोखने में मदद करते हैं, जिससे बच्चे को ठंडक मिलती है।

इसके अलावा, सूती कपड़े बिना किसी रसायन के बनते हैं, जो बच्चे की कोमल त्वचा के लिए सुरक्षित होते हैं और एलर्जी का कारण नहीं बनते।

ढीले-ढाले कपड़े खरीदें

कपड़े खरीदते समय उनके आकार पर भी ध्यान देना जरूरी है। नवजात शिशु के लिए ढीले-ढाले कपड़े चुनना बेहतर होता है, ताकि उन्हें आसानी से पहनाया और उतारा जा सके।

ढीले कपड़े बच्चे को आरामदायक महसूस कराते हैं और उसे किसी भी तरह की असुविधा नहीं होती।

इसके अलावा, ढीले कपड़ों में बच्चा आसानी से हिल-डुल भी सकता है, जिससे वह खुश रहता है और उसकी त्वचा को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

हल्के रंगों का चयन करें

हल्के रंगों के कपड़े नवजात शिशु के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि वे आसानी से साफ हो जाते हैं और उनपर लगे किसी भी तरह की दाग-धब्बे को आसानी से हटाया जा सकता है।

इसके अलावा, हल्के रंगों के कपड़े बच्चे की त्वचा को भी आराम प्रदान करते हैं और किसी भी तरह की एलर्जी का कारण नहीं बनते।

हल्के रंगों के कपड़े पहनकर बच्चे को गर्मी भी महसूस नहीं होगी और वह चिड़चिड़ाएगा नहीं।

बिना किसी सजावट के कपड़े खरीदें

कपड़े खरीदते समय उन पर किसी भी तरह की भारी सजावट या कढ़ाई नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये बच्चे की त्वचा पर खरोंच या जलन पैदा कर सकती हैं।

इसलिए हमेशा बिना किसी सजावट वाले साधारण और साफ-सुथरे कपड़े चुनें, जो बच्चे को पूरी तरह आरामदायक महसूस कराएं।

पुरानी पीठ दर्द की समस्या से राहत के लिए अपनाएं ये 5 सरल और प्रभावी आदतें

पीठ दर्द एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र में हो सकती है। यह समस्या कई कारणों से होती है, जैसे गलत तरीके से बैठना, भारी सामान उठाना या लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठना। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी आदतों के बारे में बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं और अपनी पीठ को स्वस्थ रख सकते हैं। इन आदतों को नियमित रूप से अपनाना जरूरी है।

रोजाना स्ट्रेचिंग करें

रोजाना स्ट्रेचिंग करना आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इससे आपकी मांसपेशियों में लचीलापन आता है और रक्त संचार बेहतर होता है। सुबह उठते ही कुछ मिनट स्ट्रेचिंग करें या रात को सोने से पहले भी यह करें।

इसके अलावा दिनभर में भी थोड़ी देर हर घंटे में खड़े होकर या बैठकर स्ट्रेच करें, खासकर अगर आप लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं तो यह आदत आपके लिए बहुत जरूरी है।

सही तरीके से बैठें

सही तरीके से बैठना बहुत जरूरी है ताकि आपकी रीढ़ की हड्डी पर दबाव न पड़े। कुर्सी पर बैठते समय पीठ को सीधा रखें और कंधों को पीछे की ओर खींचें। कंप्यूटर या मोबाइल का उपयोग करते समय भी ध्यान रखें कि आपका सिर झुका हुआ न हो।

इसके अलावा भारी सामान उठाते समय घुटनों को मोड़कर उठाएं और पीठ को सीधा रखें। इस तरह से आप पीठ दर्द से बच सकते हैं और रीढ़ को स्वस्थ रख सकते हैं।

हल्की-फुल्की कसरत करें

हल्की-फुल्की कसरत जैसे टहलना, साइकिल चलाना या तैराकी करना आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है।

ये कसरत आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं और रक्त संचार को बेहतर करती हैं, जिससे पीठ दर्द में राहत मिलती है। दिन में कम से कम 30 मिनट तक इन कसरत को करें ताकि आपका शरीर सक्रिय रहे और आपको आराम मिले। नियमित कसरत से आपकी सेहत भी बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस करते हैं।

सही गद्दे और तकिया चुनें

सोते समय सही गद्दे और तकिया चुनना भी बहुत अहम है।

ऐसा गद्दा चुनें, जो आपकी पीठ को सहारा दे सके और ऐसा तकिया लें जो आपके सिर और गर्दन को सही स्थिति में रख सके। इससे आपकी रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है और दर्द कम होता है।

इसके अलावा नियमित रूप से अपने गद्दे और तकिये को बदलते रहें ताकि वे पुराने न हो जाएं और अपनी कार्यक्षमता बनाए रखें।

Another revelation in Justice Yashwant Verma case, many witnesses had seen the stash of notes

New Delhi, After former Delhi High Court judge Yashwant Verma refused to resign and called the committee's investigation unjust, another information has come to light. According to the report, the inquiry committee formed by the Supreme Court said that many witnesses had seen the stash of notes in Justice Verma's Delhi residence but they never complained. The committee said the witnesses had also not informed the judicial authorities. The inquiry committee concluded in its report that the allegations against Justice Verma were clear and justified his removal from office. The committee had recovered some burnt notes from Verma's house. The committee noted eyewitness accounts, visual evidence, his 'unnatural' conduct including not reporting the incident. The committee had questioned 55 witnesses, including Verma's daughter, and obtained corroborating testimony as well as videos of the police personnel. The committee says that some witnesses even said that they were surprised to see such a huge amount of cash in Verma's house and that it was the first time in their life that they had seen so much money. The committee said that Justice Verma had not given a proper explanation and his claim of lack of knowledge was unbelievable because if there was a conspiracy, why did he not lodge a complaint with the High Court, CJI or the police. The committee said that the judge's personal secretary, Rajinder Singh Karki, had asked the fire officials not to mention the recovery of cash in the report. The committee says that the cash has been seen by many people, so it is unbelievable to believe that this has been done to trap them. The investigation also looked into the possible role of Karki and his daughter Diya Verma in "destroying evidence or cleaning up the scene of crime". After being found guilty by the inquiry committee, Justice Verma had written a letter to the then Chief Justice of India (CJI) Sanjiv Khanna on May 6, refusing to resign or take voluntary retirement. In his scathing letter, he had termed the internal probe as flawed and objected to not being given an opportunity for a personal hearing. Let us tell you that the committee had submitted its report on May 3, after which the CJI had asked him to resign. The central government may bring an impeachment motion to remove Justice Verma in Parliament during the upcoming monsoon session. Union Minister Kiren Rijiju has sought the support of the opposition in this regard. Law Minister Arjun Ram Meghwal will introduce the motion against the judge. A fire broke out in the store room of the official residence of Justice Verma of the Delhi High Court on March 14. Justice Verma was not in the city at that time. His family called the fire brigade and police. After the fire was put out, the team found a huge amount of cash from the house. When the then CJI Sanjeev Khanna came to know about this, he called a collegium meeting and transferred Justice Verma to Allahabad High Court. After this, an inquiry committee was formed.

Fifth anniversary of giving clean chit to China on Galwan issue, Congress taunts PM Modi

New Delhi, Congress general secretary and communication in-charge Jairam Ramesh has launched a scathing attack on Prime Minister Narendra Modi and the central government, saying that the recent withdrawal agreement in India-China relations has proved to be a serious regional setback for the country. He also alleged that the government has surrendered to China on strategic and economic fronts. Remembering the 20 Indian soldiers who were martyred in the Galwan Valley on 15 June 2020, Jairam Ramesh said that just four days after this, Prime Minister Modi had given a statement that neither anyone has entered our border, nor is anyone inside, which was not only contrary to the facts but was also a statement giving relief to China on the international platform. He said that in the agreement of 21 October 2024, even patrolling in Depsang, Demchok and Chumar areas has been stopped without India's consent. Now the Indian Army has to take Chinese consent to go to these areas, which is a matter of serious concern from the defense point of view. Ramesh alleged that India's import dependence on China is constantly increasing. India is critically dependent on China in sectors like electronics, medicines, telecom and solar equipment. He said that the trade deficit with China has reached $ 99.2 billion in the year 2024-25, which is a record level, while India's exports to China are even less than in 2013-14. He revealed that during the recent Operation Sindoor, China provided technical support to Pakistan's military operations. Not just weapons, but support was also provided in AI, multi-domain operations and stealth technology. Pakistan is likely to get 40 J-35 stealth fighter jets from China in the future, which could pose a two-pronged challenge to India. The Congress leader also said that his party has been demanding a detailed parliamentary debate on China for the last five years, but the government is silent on it. He said, we should unite and create a national consensus on the national security and economic challenges emanating from China.

BATANAGAD DRAIN SHOWED ITS FIERCE FORM ON PURNAGIRI DHAM ROAD

5000 stranded pilgrims were rescued

Champawat (Uttarakhand), The continuous rain on the mountains became a problem for the pilgrims who came to visit Maa Purnagiri Dham. Thousands of devotees got stuck in the Batanagad rain drain due to heavy debris. After which the Tanakpur tehsil administration, under the leadership of SDM Akash Joshi, conducted a campaign and rescued more than 5 thousand devotees stranded on the Yatra route and sent them to their destination. The administration also arranged for food for the pilgrims stranded on the Yatra route. While the road from Tanakpur to Purnagiri Dham is still closed near the Batanagad rain drain.

The continuous rain in the mountains is wreaking havoc on people. Due to the rain, the rainy Batanagad drain on the Tanakpur Purnagiri Yatra route is overflowing. The movement on the Yatra route was disrupted due to the debris in the rainy drain. Due to which thousands of pilgrims got stuck on the route. At the same time, under the leadership of Tanakpur SDM Akash Joshi, more than 5 thousand pilgrims were safely rescued on the Yatra route by the SDRF, police, fire and revenue team and sent to their destination. Purnagiri Marg and Tanakpur Jauljibi Marg have been completely blocked due to the overflowing of rainwater drains and heavy debris on the road. Tanakpur SDM Akash Joshi said that the administration has started efforts to open the Purnagiri Yatra route. The administration has appealed to the devotees and local people to follow the instructions of the administration till the Yatra route opens. Despite the fair ending on June 15 due to the monsoon season, pilgrims from various areas including Uttar Pradesh are still arriving to visit Maa Purnagiri Dham. On the other hand, after the rain in the mountains, the police-administration is on alert mode for the safety of the devotees in the rain drains on the Tanakpur Purnagiri road. So that the local people and travelers do not have to face problems.

Assembly by-elections on 5 seats in 4 states including West Bengal today, voting begins

New Delhi, Voting for assembly by-elections in West Bengal, Punjab, Gujarat and Kerala has started at 7 am on Thursday. Voting is being held on 5 seats in the states. The elections do not pit the ruling National Democratic Alliance (NDA) and the opposition All India Alliance against each other directly, but they are certainly tested. Aam Aadmi Party (AAP) in Punjab and Trinamool Congress (TMC) in Bengal face the challenge of maintaining their dominance. Counting of votes for all 5 seats will take place on June 23. The seat in Ludhiana is vacant after the death of AAP MLA Gurpreet Singh Gogi. Here AAP has fielded Rajya Sabha MP Sanjeev Arora. Congress has fielded Bharat Bhushan Ashu, BJP has fielded Jeevan Gupta and Akali Dal has fielded Parupkar Singh Ghuman. In the by-election being held in Kaliganj after the death of TMC MLA Nasiruddin Ahmed, the party has fielded his daughter Alifa Ahmed. Here BJP has fielded Ashish Ghosh and the Congress-Left alliance has fielded Kabiluddin Shaikh. There are by-elections in Kadi and Visavadar in Gujarat. The seat in Kadi is vacant after the death of BJP MLA Karsanbhai Solanki. Here BJP has fielded Rajendra Chavda, Congress has fielded Ramesh Chavda and AAP has fielded Jagdish Chavda. Meanwhile, the current MLA from Visavadar, Bhayani Bhupendrabhai has resigned from the AAP and joined the BJP. BJP has fielded Kirit Patel, Congress has fielded Nitin Ranparia and AAP has fielded prominent party leader Gopal Italia. Assembly elections are due in Kerala next year. In such a situation, the Nilambur by-election is being considered as a semi-final. The seat fell vacant following the resignation of P V Anwar, who had won twice with Left support but then joined the Congress and contested as an independent. The Congress has fielded Aryadan Shaukat, son of former MLA Aryadan Mohammed, while the ruling LDF has fielded M. Swaraj. Nilambur is in Priyanka Gandhi's Wayanad Lok Sabha constituency, making the contest interesting.

CHARGESHEET FILED IN THE COCAINE RECOVERY CASE WORTH RS 13 THOUSAND CRORES

Delhi Police made 19 people accused

New Delhi, The Special Cell of Delhi Police has filed a chargesheet in the Patiala House Court in the cocaine recovery case worth Rs 13 thousand crores. Delhi Police has made 19 people accused in this case. The Special Cell arrested 14 accused during the raid in this case, while five accused are absconding.

In fact, the Special Cell raided Mahipalpur on October 1, 2024 and seized 562 kg of cocaine and arrested four people. The Special Cell then seized 208 kg of cocaine from a shop in Ramesh Nagar on October 10. The third seizure took place on October 13, when Special Cell officials and Gujarat Police raided a firm in Ankleshwar, Gujarat and recovered 518 kg of cocaine. The 10,000-page chargesheet states that three fake companies were formed to supply raw material for drugs. The email ID of Gujarat-based pharma solution services company Avkar Drugs was created in Pakistan. According to the chargesheet, these drugs were prepared in Gujarat and Delhi and the raw material came from five pharma companies in South India and Gujarat. According to the chargesheet, the racket's links extend to Pakistan, Thailand, Dubai, Malaysia and Britain. The main accused in this case, Rana Tarandeep Singh and Virendra Basoya, are absconding. The Special Cell suspects that both of them have left the country by creating fake identities. Virendra Basoya lives in London with his family and operates his syndicate from there. According to the chargesheet, the accused include the heirs of two publishing groups and Tushar Goyal. Tushar Goyal is the head of this international racket in India. The accused declared fugitive by the court include Virendra Singh Basoya, Hrithik Bajaj, Pramod Pandey, Vikas Mane and Rishabh Basoya. When the Special Cell interrogated Tushar Goyal, they came to know about Jitendra Pal Singh Gill, a British citizen. Jitendra Pal Singh Gill was arrested from Amritsar airport. Gill was sent to India by Basoya to manage the consignment of drugs.

Sonia Gandhi's health is improving, doctors have started a special diet plan

New Delhi, The condition of former Congress President and Rajya Sabha MP Sonia Gandhi admitted to Sir Gangaram Hospital is now stable. Her condition is improving under the supervision of doctors. As part of her continuous care, a special diet plan has been started from Thursday. Also, her health is being closely monitored. However, the date of her discharge has not been decided yet. It will be decided based on the progress of her recovery. Dr. Ajay Swaroop said that a team of doctors including Dr. S. Nandi and Dr. Amitabh Yadav are constantly monitoring his condition. Earlier on Sunday night, he was admitted to Sir Ganga Ram Hospital after his health suddenly deteriorated. According to the information received, he has a stomach problem. After this, his treatment was started under the supervision of Dr. Samiran Nandi, a specialist in gastroenterology surgery. Let us tell you that 78-year-old Sonia Gandhi has been admitted to Sir Ganga Ram Hospital many times due to health problems caused by age. She was also admitted to Sir Ganga Ram Hospital on 20 February this year. She was last seen in Parliament on 13 February, after which her health deteriorated. She has been the President of Congress for a long time.

Kamal Haasan gets relief from Supreme Court, gets permission to release film Thug Life in Karnataka

New Delhi, Tamil cinema's famous actor Kamal Haasan's film Thug Life has been in the news for quite some time. His film was released in theatres on June 5, but due to the Kannada-Tamil comment controversy, it was not released in Karnataka. Now Haasan has got relief from the Supreme Court. Actually, the way has been cleared for the release of Thug Life in Karnataka. The Supreme Court has issued this order during the hearing on June 19. During the hearing, the Supreme Court told the Karnataka government that if any violence occurs due to the film, then it should take appropriate action under criminal laws. The court said, it is the state's job to ensure that action is taken against those who indulge in violence. We cannot allow this to happen. It is wrong to ban the release of the film just because of a statement. The Karnataka government has assured the Supreme Court that it will provide security to its citizens. It is noteworthy that Kamal had said in a program of Thug Life that Kannada language originated from Tamil, after which pro-Kannada organizations protested strongly. Later, the Karnataka Film Chamber of Commerce banned the film's release in the state. However, Haasan said his statement was misunderstood. Talking about Thug Life, the direction of this film is taken over by Mani Ratnam.

The pilot project of artificial rain in Delhi got approval from the Meteorological Department

New Delhi, The Delhi government's plan to try the option of artificial rain for immediate relief when the pollution level worsens in Delhi has got approval from the Meteorological Department. Now the Delhi government's first artificial rain pilot project is completely ready. Delhi Environment Minister Manjinder Singh Sirsa said that all the preparations and necessary approvals have been completed. Now we just have to wait for the weather to be favorable, especially the availability of suitable clouds. As soon as the right clouds are visible, the campaign will be started.He informed that the India Meteorological Department (IMD) has given meteorological approval to the project and confirmed the feasibility of cloud seeding in the National Capital Region (NCR). This pilot project will be implemented in collaboration with IIT Kanpur to test and evaluate the technical potential of cloud seeding for pollution control, which will lead the scientific and technical operations. He further said, the preparations are complete, now we are just waiting for the clouds. As soon as the weather is favorable, Delhi will witness its first artificial rain project. This is not just an experiment, but a roadmap for the future. Based on science, driven by precision and with data driven monitoring. He also said that clean air is everyone's right. From anti-smog guns, sprinklers and strict rules to control dust at construction sites to now the sky, we are making every possible effort to clean Delhi's air. This pilot project is not just about bringing rain, but is a symbol of scientific courage and environmental friendliness.